कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | बुधवार 12 मार्च 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1308 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

भाजपामें भगदड़ मचाने की प्लानिंग, ममता बनर्जी की

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (कोलकाता): तृणमूल कांग्रेस ने हल्दिया की विधायक तापसी मंडल को पार्टी में शामिल कर भाजपा को तगड़ा झटका दिया है। 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले परसेप्शन की लड़ाई शुरू हो गई है और ममता बनर्जी इस गेम को हर हालत में जीतना चाहती हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अभी बीजेपी के कई विधायक टीएमसी में शामिल हो सकते हैं। ममता बनर्जी ने पार्टी के पदाधिकारियों को उन विधायकों और नेताओं से संपर्क करने की हिदायत दे रखी है, जो टीएमसी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। फिलहाल 2021 विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी के 12 विधायक टीएमसी का दामन थाम चुके हैं। विधानसभा में बीजेपी विधायकों की संख्या 77 से घटकर 65 हो गई है।

चुनाव से पहले नेताओं का दलबदल आम घटना है, मगर बंगाल में बीजेपी

विधायकों की टीएमसी में एंट्री खास है। उसमें भी तापसी मंडल को बीजेपी से छीनना टीएमसी की खास रणनीति है। तापसी मंडल नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी की करीबी नेताओं में शुमार थी। सुवेंदु ने टीएमसी और सीपीएम के नेताओं को बीजेपी में लाकर मेदिनीपुर जिले को बीजेपी का गढ़ बना दिया। खुद उन्होंने नंदीग्राम से टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को विधानसभा चुनाव में हराया था।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में जीत की हैट्रिक लगा चुकी हैं, अब चौथी पर सत्ता हासिल करने की तैयारी है। 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने दूसरी पार्टियों के नेताओं को टिकट देकर अपनी ताकत बढ़ाई और कांग्रेस-वामदलों को बेदखल करते हुए मुख्य विपक्षी दल बन गई। 2016 में बीजेपी को 294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में केवल तीन सीटों पर जीत मिली थी और इस बार 77 सीटों पर कब्जा किया था।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन आसान नहीं रहा है। वामपंथी दलों का शासन भी 34 साल चला मगर राज्य की ग्राउंड पॉलिटिक्स की एक और खासियत है। विचारधारा के प्रति कट्टर मानी जाने वाली जनता भी सत्ता परिवर्तन के बाद पॉलिटिकली यू-टर्न लेती है। अभी टीएमसी में कांग्रेस, सीपीआई और सीपीएम जैसे वामपंथी दलों के कार्यकर्ताओं की भरमार है।

फिर अलीपुरद्वार से पहली बार विधायक बने सुमन कांजीलाल और हरकाली प्रोतिहेर जैसे विधायक भी बीजेपी छोड़ गए। अब तक बीजेपी के 12 विधायक टीएमसी में शामिल हो चुके हैं। हद तो यह है कि 14 साल में विधानसभा अध्यक्ष ने किसी दलबदलू विधायक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी ने चुनाव से पहले बीजेपी में भगदड़ मचाने की प्लानिंग की है, ताकि यह मैसेज जाए कि विपक्षी दल अपने विधायकों को एकजुट रखने में नाकाम रहा है।

हावड़ा से रक्सौल जाने वाली मिथिला एक्सप्रेस 13021 के डिब्बा मे रेंग रहे जहरीले कीड़े

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (कोलकाता): होली के अवसर पर बाहर काम कर रहे लोगों मे अपने घर जाने की बेसब्री होती है, अपने परिजन से मिलने को बेताब रहते हैं. हावड़ा स्टेशन के आठ नंबर प्लेटफार्म से ट्रेन खुलने के बाद यात्री से जनरल डब्बे की कोच भर गई। लोग खड़े होकर अपने घर जा रहे हैं, ईसी बीच कुछ जहरीला कीड़ा इधर उधर घुमते नजर आए, कीड़े को देखकर लोगों मे भय व्याप्त हो गया, छोटे बच्चे देखकर डर रहे थे,

ट्रेन मे सफर कर रहे यात्री मिथिलेश ने बताया कि जनरल डिब्बा मे कोई साफ सफाई नही होती है, बल्कि ईसमे ज्यादा लोग सफर करते हैं, किसी का ध्यान इधर नही होता है, सफर के दौरान टीटीई कई बार टिकट चेकिंग किए, लेकिन इस तरह के जहरीले जीव के उपर उन्होने कोई ध्यान नही दिए।

यात्री किराए देने के बाद भी ऐसे गंदगी और कीटाणु से सामना होता है और स्वच्छ भारत के नाम पर हजारों करोड़ो रुपए खर्च किए जाते है, अब देखना यह है कि जहाँ सरकार सफाई के नाम पर अनेकों कर्मचारी नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन हकीकत कुछ और बयां करती है.

मेदिनीपुर सिटी कॉलेज के शिविर में छात्र- छात्राओं ने किया रक्तदान

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (खड़गपुर): गर्मियों के मौसम में रक्त की कमी को पूरा करने के लिए पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मेदिनीपुर स्थित सिटी कॉलेज प्रशासन आगे आया। मंगलवार को कॉलेज परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में 102 छात्र-छात्राएं रक्तदान करने के लिए उत्साहित हुए, जिनमें से 19 छात्राएं थीं।

इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन मेदिनीपुर सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुदीप्त चक्रवर्ती ने किया। शिविर में रक्तदान करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए मेदिनीपुर सिटी कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. शांतनु कर महापात्र, राष्ट्रीय सेवा परियोजना के संयोजक समर दास, राकेश जाना, अर्पिता राज आदि उपस्थित थे।

कॉलेज के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप घोष और उप-प्राचार्य कुंतल घोष ने रक्तदान करने वाले छात्र-छात्राओं और संबंधित सभी लोगों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि भविष्य में ऐसे आयोजन बड़ी पैमाने पर होने चाहिए। क्योंकि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। गर्मियों में ब्लड बैंक में रक्त की कमी हो जाती है। स्वस्थ समाज और आदर्श चिकित्सा व्यवस्था में यह स्थिति नहीं होनी चाहिए। इसे समाज को बचाना हर किसी की जिम्मेदारी है।

बालू की कालाबाजारी पर अविलम्ब रोक लगाई जाए

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (पुरुलिया): बालू की कालाबाजारी तुरंत बंद करने, अवैध बालू तस्करी को रोकने तथा आम लोगों को बालू आसानी से कम कीमत पर उपलब्ध कराने सहित अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को पाड़ा विधानसभा के पाड़ा मंडल 1 और 2 के संयुक्त तत्वावधान में रघुनाथपुर ब्लॉक 2 के बीएल एंड एलआरओ कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर पाड़ा मंडल 2 के अध्यक्ष संजय बास्के, मंडल 2 के पूर्व अध्यक्ष दीनबंधु चक्रवर्ती, जिला नेता गौतम गोंराई, रोबिन घोष गोप सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस दौरान लोगों ने कई आरोप लगाया तथा रात

के अंधेरे में बालू चलाने का काम तुरंत बंद करने एवं भूमि संबंधी मुद्दों पर लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने सहित कई मांगें रखी।

रघुनाथपुर मंडल नंबर 1 के मंडल अध्यक्ष विश्वजीत मंडल ने कहा कि हमारी मुख्य मांग है कि बालू की कालाबाजारी पर तुरंत रोक लगाई जाए। उन्होंने आम लोगों को आसानी से कम कीमत पर बालू उपलब्ध कराने तथा रात के अंधेरे में बालू चलाने का काम तुरंत बंद करने की भी मांग की। इसके अलावा कहा कि भूमि संबंधी मुद्दों पर लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है इसे बंद करना होगा।

तृणमूल कांग्रेस समर्थित बालू माफियाओं का एक समूह प्रशासन के सहयोग से अवैध रूप से बालू की तस्करी और लूट कर रहा है। वे 100 सीएफटी बालू 5000 से 6000 हजार रुपये में बेच रहे हैं। इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। छोटे ईंट भट्ठा मालिकों का उत्पीड़न बंद करने की मांग की।

शौचालय निर्माण कार्य को लेकर विधायक सुशांत महतो नाराज

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (पुरुलिया): झालदा थाना अंतर्गत माठारी खामार ग्राम पंचायत के खामार गांव में बंद स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय बनाए जाने से निर्माण कार्य को लेकर विधायक सुशांत महतो नाराज हैं।

यहां के ग्रामीणों का कहना है कि खामार उप स्वास्थ्य केंद्र करीब बीस साल से बंद पड़ा है। आज पंचायत ने उस बंद स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय बना दिया है। तो इस शौचालय का इस्तेमाल कौन करेगा?

ग्रामीण सुकुरमनी कुमार, रजनीकांत मंडल और समीर कुमार मंडल ने बताया कि खामार उप स्वास्थ्य केंद्र करीब बीस साल पहले अज्ञात कारणों से बंद हो गया था। यह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

यह स्वास्थ्य केंद्र कभी खामार, अडेलडी, पाररि और दांतटिया सहित कई गांवों के

लोगों को सेवा प्रदान करता था। लेकिन हमें अभी भी सप्ताह में एक बार पेड़ के नीचे या किसी निश्चित दिन गांव के हरि मंदिर में सेवाएं मिलती हैं। अब हम फिर देख रहे हैं कि ग्राम पंचायत ने इस बंद स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय बना दिया है। तो हमारा सवाल यह है कि इस बंद स्वास्थ्य केंद्र में नवनिर्मित शौचालयों का उपयोग कौन करेगा? इसलिए हमारी मांग है कि उप-स्वास्थ्य केंद्र को शौचालय सहित पुनः खोला जाए। क्योंकि अन्य दिनों में गांव के लोगों को तीन किलोमीटर दूर पड़ोस के गांव कासिडी गावं में जाना पड़ता है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत प्रधान माधुरी सिंह मुड़ा ने बताया कि उस गांव में स्वास्थ्य कर्मी खुले आसमान के नीचे सेवाएं देते रहे हैं, इसलिए उन्हें ध्यान में रखते हुए यह शौचालय बनाया गया है। कहा कि उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने को लेकर उच्च अधिकारियों को सूचित करूंगी।

झालदा ब्लॉक स्वास्थ अधिकारी देबाशीष मंडल ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से बंद है क्योंकि यह ज्ञात है कि स्वास्थ्य केंद्र वर्तमान में पास के काशीडी गांव में सरकार द्वारा चलाया जाता है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण हमने खामार गांव में एक नया उप-स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने की योजना बनाई है। स्वीकृति मिलते ही स्वास्थ्य केंद्र चालू हो जाएगा और शौचालय उपयोगी होगा।

हालांकि, बाघमुंडी विधायक और रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष सुशांत महतो ने बंद पड़े स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय निर्माण में पंचायत की भूमिका पर सवाल उठाया है।

विधायक ने यह भी कहा कि वे आज ही खामार उपस्वास्थ्य केंद्र को पुनः खोलने के बारे में भी विभाग से बात करेंगे।

सिमुलतला स्टेशन पर अनारक्षित होली स्पेशल ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (आसनसोल): होली त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा को बढ़ाने के लिए पूर्व रेलवे ने सिमुलतला स्टेशन पर निम्नलिखित अनारक्षित होली स्पेशल ट्रेनों के लिए अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया है: ट्रेन संख्या 03511 आसनसोल-पटना अनारक्षित होली स्पेशल यहाँ 13:28 बजे पहुंचेगी और 13:30 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 03512 पटना-आसनसोल अनारक्षित होली स्पेशल यहाँ 00:26 बजे पहुंचेगी और 00:28 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 03513 आसनसोल-गोरखपुर अनारक्षित होली स्पेशल यहाँ 20:53 बजे पहुंचेगी और 20:55 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 03514 गोरखपुर-आसनसोल अनारक्षित होली स्पेशल यहाँ 00:45 बजे पहुंचेगी और 00:47 बजे रवाना होगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन संशोधित ठहरावों पर ध्यान दें और तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

होली स्पेशल ट्रेन- आसनसोल पहुंचने का संशोधित समय

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (आसनसोल): ट्रेन संख्या 03514 गोरखपुर-आसनसोल अनारक्षित होली स्पेशल का आसनसोल पहुंचने का समय संशोधित किया गया है। अद्यतन समय-सारिणी के अनुसार, यह ट्रेन अब 03:45 बजे के पूर्व अधिसूचित समय के बजाय 04:30 बजे पहुंचेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे संशोधित समय-सारिणी पर ध्यान दें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

13 लाख से ज्यादा 'डुप्लीकेट' वोटर्स को लिस्ट में जोड़ा गया- बीजेपी

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (कोलकाता): एपीक विवाद को लेकर बंगाल की सियासत गरमाई हुई है. सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के बीच जुबानी जंग जारी है. अब बीजेपी ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के शासन के दौरान पश्चिम बंगाल में 13 लाख से ज्यादा 'डुप्लीकेट' वोटर्स को लिस्ट में जोड़ा गया है. पार्टी ने निर्वाचन आयोग से राज्य में वोटर लिस्ट का 'ऑडिट' और अमेंडमेंट करने का अनुरोध किया.

भाजपा की पश्चिम बंगाल यूनिट के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और राज्य के लिए पार्टी के सह प्रभारी अमित मालवीय की अगुआई में एक डेलिगेशन ने आयोग को दी गई एक याचिका में दावा किया कि राज्य में समान मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले करीब 8,415 लोग वोटर्स के तौर पर रजिस्टर्ड हैं.

बाद में पत्रकारों से बातचीत में मालवीय ने कहा, 'आज भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की. हमने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराया.' उन्होंने कहा, 'हमने चुनाव आयोग को अवगत कराया है कि पश्चिम बंगाल में 13,03,065 डुप्लीकेट वोटर्स हैं... हमने चुनाव आयोग को यह भी बताया है कि लगभग 8,414 मतदाता समान एपीक संख्या वाले हैं.'

भाजपा सूत्रों ने दावा किया कि डुप्लीकेट EPIC नंबर वाले कुल 8,415 वोटर्स में से पश्चिम बंगाल में 7,235 एक ही नाम के हैं, 857 राज्य में अलग-अलग नामों से और 323 अन्य राज्यों में पाए गए हैं.

मालवीय ने इलजाम लगाया कि पिछले 14 सालों में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के साथ वोटर लिस्ट में 'व्यवस्थित रूप से घुसपैठ' की है. उन्होंने कहा, 'हमने चुनाव आयोग से वोटर लिस्ट पर गौर करने और इन अवैध मतदाताओं की पहचान करने के लिए कहा है ताकि हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से समझौता नहीं हो.'

मालवीय ने आगे कहा, 'हमने आयोग से कहा है कि अगर राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव हिंसा मुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना है तो वोटर लिस्ट का ऑडिट और उनका संशोधन जरूरी है.' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने भाजपा डेलिगेशन को आश्वासन दिया है कि वह उनकी मांगों पर गौर करेगा और उचित कार्रवाई करेगा. बाद में उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में निर्वाचन आयोग ने लिखा, 'आयोग ने आज भाजपा के डेलिगशन का स्वागत किया और उन्हें सूचित किया कि केवल भारत के नागरिक जो 18 साल से अधिक आयु के हैं, उन्हें मतदान केंद्रों में वोटर के रूप में रजिस्टर्ड किया जा सकता है, जहां वे सामान्य निवासी हैं.'

इसमें कहा गया है, 'वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाना सभी सियासी पार्टियों के साथ एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24 के तहत अपील के स्थापित तंत्र शामिल हैं.

रास्तों पर घूम रहे तीन विशालकाय हाथी, स्थानीय लोग दहशत में

शुवेन्दु लायेक

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (बाँकुड़ा): गंगाजलघाटी के जंगल के रास्तों पर सुबह से ही तीन विशालकाय हाथी विचरण करते दिखे, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। तीन दाँतधारी हाथी सड़क पर घूम रहे हैं। बांकुड़ा जिले के गंगाजलघाटी के जंगली रास्तों पर लंबे समय से उनके घूमने से इलाके में दहशत का माहौल है। भय और दहशत के कारण उस ग्रामीण सड़क पर यातायात बंद कर दिया गया है।

ज्ञातव्य है कि बांकुड़ा जिले के विभिन्न जंगलों में अब 65 से 68 हाथी हैं।

इनमें गंगाजलघाटी रेंज के देउली जंगल में 3 और सारंगपुर जंगल में 2 हाथी हैं। आज सुबह उनमें से तीन हाथी अचानक कल्लापुर जंगल में सड़क पर आ गए। वन मार्गों पर हाथियों की लम्बे समय से मौजूदगी के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 60 से बाकादाह तक की सड़क व्यावहारिक रूप से बंद हो गई थी। तीन हाथियों की खबर फैलते ही पूरे इलाके में दहशत का माहौल फैल गया। पड़ोसी गांवों जामगारी, सारंगपुर, राधाकृष्णपुर, धताल, फेगोसोल, बाकादाह और हदलाबानी सहित विभिन्न गांवों के लोग समस्याओं का सामना कर रहे हैं। थोड़ी देर बाद हाथी स्वयं ही जंगल में प्रवेश कर गए और उसी रास्ते से यात्रा पुनः शुरू हो गई।

जेयू की दीवार पर लिखा मिला 'आजाद कश्मीर' और 'फ्री फलस्तीन'

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (कोलकाता): जादवपुर यूनिवर्सिटी को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। अब जादवपुर यूनिवर्सिटी में दीवार पर आजाद कश्मीर और फ्री फलस्तीन की पेंटिंग (ग्रैफिटी) बनाई गई। ये ग्रैफिटी तब बनाई गई, जब 10 मार्च को एग्जाम चल रहा था। इसको लेकर पुलिस कथित रूप से सादे कपड़ों में कैंपस में पहुंची।

जादवपुर विश्वविद्यालय में पिछले कुछ दिनों से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जहां 1 मार्च को राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु की कार और उनके साथ चल रहे एक अन्य गाड़ी के कथित रूप से उनके वाहन से टकराने के बाद दो छात्र घायल हो गए थे। इसके बाद से प्रदर्शन जारी है। इस हरकत के पीछे किसका हाथ?

हिंसा के सिलसिले में बसु और प्रोफेसर टीएमसी नेता ओम प्रकाश मिश्रा

के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के पास एक दीवार पर काले रंग से 'आजाद कश्मीर' और 'फ्री फलस्तीन' लिखा हुआ देखा गया, लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि इसके पीछे कौन या कौन सा संगठन था।

वहीं इसको लेकर विवाद बढ़ गया और कई लोगों ने अपने विचार साझा किए हैं। जेयू की तृणमूल छात्र परिषद इकाई के अध्यक्ष किशलय रॉय ने पीटीआई से कहा, 'इसके पीछे कुछ अति-वामपंथी छात्र संगठन हैं और अगर कोई विशाल परिसर में घूमे तो इस तरह की और भी भित्तिचित्र देखे जा सकते हैं।'

एसएफआई की जेयू इकाई के नेता अभिनबा बसु ने कहा, 'हम अलगाववादी विचारों का समर्थन नहीं करते हैं, हालांकि हम भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों के दमन के खिलाफ हैं।' उन्होंने कहा कि सीपीआई(एम) की छात्र शाखा एसएफआई का फलस्तीन मुद्दे पर स्पष्ट रुख है।

वहीं टीएमसी-झुकाव वाले शिक्षाविदों के मंच के वरिष्ठ संकाय सदस्य और पदाधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा ने कहा, 'हम किसी भी पोस्टर और भित्तिचित्र के खिलाफ हैं जो अलगाववादी विचारों का समर्थन करते हैं। 1 मार्च की घटना के बाद जब मिश्रा पहली बार परिसर में दाखिल हुए, तो वामपंथी छात्रों के एक वर्ग ने उनका स्वागत भाजपा-टीएमसी तानाशाही से आजादी और वापस जाओ जैसे नारों से किया।

शू प्लाजा के गोदाम में लगी भयंकर आग, लाखो का नुकसान

नियामतपुर में दमकल कार्यालय की जमीन चढ़ी भू- माफियाओ की भेंट

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (नियामतपुर): क्षेत्र की सुप्रसिद्ध और वर्षो पुरानी जुता दूकान शू प्लाजा के गोदाम में भयंकर आग लग गई. जिससे लाखो रुए मूल्य के जूता-चप्पल जलकर ख़ाक हो गई. सूचना मिलने पर आसनसोल से दमकल विभाग की गाड़ी और नियामतपुर फाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची.

बताया जाता है कि नियामतपुर मोड़ के समीप स्थित शू प्लाजा ने हाल ही अपने दूकान का विस्तार करते हुए मोबाइल गलेक्सी नामक एक दूकान उसी में खोली थी. आज मंगलवार की संध्या उक्त जूता दूकान के संलग्न स्थित गोदाम में भयंकर आग लग गई. गोदाम से धूंआ उठता देख आस-पास के दूकानदारो व स्थानीय लोगो में हलचल मच गई. सभी शू प्लाजा की तरफ दौड़े और जिनसे जितना हो सका सभी ने मिलकर आग को बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया.

हालाँकि इसकी सूचना मिलते ही नियामतपुर पुलिस मौके पर पहुँच गई और स्थिति को नियंत्रित किया. तत्पश्चात अग्निशमन की एक वाहन मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया.

दुकान के मालिक गुरविंदर सिंह ने बताया कि उनके गोदाम के पीछे खाली जगह है, जहाँ कुछ लोग कचरों को जमा कर आग लगाते है. हमने कई बार उनलोगों से ऐसा नहीं करने को कहा, मगर वे नहीं सुने, सोमवार को भी उनलोगों द्वारा कचरों को जलाया गया था, शायद उनके द्वारा लगाई गई आग की चिंगारी से ही मेरे दूकान में आग लग गई होगी.

हालाँकि उन्होंने कहा कि हाल ही हमने इसी दूकान के संलग्न मोबाइल गलेक्सी नामक एक दूकान खोली है, जिसे लेकर नयी इन्फ्राटकचर तैयार की गई, इसलिए शोर्ट सर्किट होने की कोई गुंजाइश नहीं है.

उन्होंने कहा कि दमकल वाहन के पहुँचने में काफी वक्त लगा, यदि समय पर दमकल विभाग यहाँ आ जाती तो मेरा नुकसान कम होने की संभवना अधिक थी. उन्होंने आकलन किया कि लगभग आठ से दस लाख की संपत्ति जलकर ख़ाक हो गई है.

वही नियामतपुर मर्चेंट चेंबर के सचिव सचिन बालोदिया ने भी इस बात को स्वीकार किया कि विपदा की घड़ी में दमकल विभाग को नियामतपुर पहुँचने में वक्त लग जाता है, यदि नियामतपुर क्षेत्र भी दमकल विभाग का कार्यालय स्थापित हो जाए तो काफी सुविधा होगी, चूँकि वर्तमान समय में नियामतपुर क्षेत्र भी व्यापारिक मामले में काफी समृद्ध हुआ है और यहाँ बड़ी- बड़ी प्रतिष्ठाने खुली है.

ज्ञात हो कि आसनसोल नगरनिगम की तत्कालीन उपमेयर तबस्सुम आरा ने नियामतपुर के कुल्तोड़ा में दमकल विभाग का कार्यालय खोलने के लिए एक रिपोर्ट तैयार किया था. इसके लिए जमीन की व्यवस्था भी कर ली गई थी. किन्तु उक्त प्रोजेक्ट अब ठन्डे बस्ते में जा चूका है, और जिस जमीन पर दमकल कार्यालय खुलनी थी, उसे जमीन माफियाओ द्वारा बेच दिया गया है, जहाँ आज एक आलीशान भवन बनकर तैयार.

यदि नियामतपुर में दमकल कार्यालय खुल जाती तो आज शू प्लाजा को एक बड़े नुकसान से बचाया जा सकता था.

जमीन मामले को लेकर पड़ोसी द्वारा पिटाई का आरोप

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (कांकसा): पड़ोसी द्वारा गंभीर रूप से घायल किए गए एक बुजुर्ग व्यक्ति का दुर्गापुर में इलाज चल रहा है। घटना 7 मार्च को पानागढ़ बाजार के खुदीराम बोस रोड इलाके में घटी। इस घटना में घायल महिला के बेटे रोहित जायसवाल ने 8 तारीख को कांकसा थाने में अपने पड़ोसी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। आज दोपहर करीब 2 बजे उसने बताया कि उसके पड़ोसी राकेश जायसवाल और उसके परिवार के लोगों ने जमीन के मामले को लेकर उसके पिता को घर से बुलाया और लोहे की रॉड जैसी किसी चीज से उसके पिता कपिल जायसवाल के सिर पर वार कर दिया। उसके पिता चीखते हुए जमीन पर गिर पड़े। जब उनके पिता की चीख सुनकर उनका भाई उन्हें बचाने के लिए दौड़ा तो उसके पड़ोसी और उसके परिवार ने उसकी भी पिटाई कर दी। उनके पिता और भाई को पहले गंभीर हालत में कांकसा के राजबांध स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि भाई को छुट्टी दे दी गई, लेकिन जब उनके पिता की हालत बिगड़ी तो उन्हें दुर्गापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनके पिता का वहां इलाज चल रहा है। उन्होंने इस घटना में अपने पड़ोसी और उसके परिवार के सदस्यों को सजा देने की मांग की। हालांकि घटना के बाद से राकेश जायसवाल और उनका परिवार घर से गायब है। बताया जा रहा है कि इस घटना में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इस वर्ष होली के त्योहार पर बाजार भी हुआ अनोखा

मोदी के मुखौटे से लेकर केजीएफ की हथोड़ी और पुष्पा 2 की कुल्हाड़ी वाली पिचकारी

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (कुल्टी): रंग और गुलालों का त्योहार होली पश्चिम बंगाल के बाजारों को मोदी का रूप दे चूकी है, इसके अलावा बाजारों मे फ़िल्मी रंग भी पूरी तरह चढ़ चूका है, यही कारण है की बाजारों मे हर तरफ मोदी का मुखौटा तो बिक ही रहा है, अगर हम बात करें पिचकारीयों की तो बाजार मे केजीएफ का हथोड़ा और पुष्पा 2 वाली पिचकारी भी भारी पैमाने पर बिक रही है, इसके अलावा मोदी और ममता वाली भी पिचकारी ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने मे कोई कसर नही छोड़ रही, जिन पिचकारीयों की भारी डिमांड हो चुकी है, लोग बहोत ही पसंद से मोदी का मुखौटा और केजीएफ का हथोड़ा और पुष्पा 2 वाली पिचकारी खरीद रहे हैं,

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से लेकर हावड़ा, हुगली, पुरुलिया, बांकूड़ा, बिरभूम, आसनसोल सहित राज्य के तमाम जिलों मे लगे होली के बाजार मोदी के मुखौटे और केजीएफ का हथोड़ा और पुष्पा 2 वाली पिचकारी सहित मोदी और ममता वाली पिचकारी से भरे पड़े हैं, जो होली बाजार को एक अलग रूप दे रहे हैं, जो लोगों को इस वर्ष होली के त्योहार मे राजनीती रंग ही नही बल्कि फ़िल्मी रंगों पूरी तरह रंग देंगे,

आसनसोल का होली का बाजार भी कुछ इसी रंगों मे रंगा हुआ है, होली के लिये रंग और गुलालों की खरीदारी करने आने वाले ग्राहक होली के बाजार मे छाए राजनीती और फ़िल्मी कॉकटल को देख काफी हैरान हैं, वह कह रहे हैं की उन्होंने यह कभी सोंचा भी नही था की इस वर्ष होली का बाजार कुछ इस तरह मजेदार होगा, उन्होंने बाजार मे बिक रहे इस तरह के अनोखे पिचकारीयों की खरीदारी तो की ही साथ मे मोदी का मुखौटा भी ख़रीदा और चले गए,

वहीं दुकानदार ने कहा वह हर वर्ष होली के त्योहार पर बाजार मे कुछ अनोखा बेचना चाहते हैं, इस बार भी बाजार मे सबकुछ अनोखा आया है, जिसकी भारी डिमांड है उनके पास उतना माल उपलब्ध नही है की वह अपने ग्राहकों को दे सकें उनके पास जितना माल नही उससे ज्यादा ऑर्डर आ रहा है

ईसीएल के कुनुस्तोड़िया क्षेत्रीय अस्पताल का स्थापना दिवस समारोह

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (जामुड़िया): ईसीएल के कुनुस्तोड़िया क्षेत्रीय अस्पताल का स्थापना दिवस समारोह क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री सुभाष चंद्र मित्रा की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुआ।

ग़ौरतलब है कि कुनुस्तोड़िया क्षेत्रीय अस्पताल के 43वें स्थापना दिवस का आयोजन करते हुए अस्पताल के पूर्व कर्मियों को आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के सभी कर्मियों के लिए हेमोग्लोबिन, शुगर और ग्लैकैटेड एचबी की नि:शुल्क जाँच की गयी जिसमें कुल 73 कर्मी लाभान्वित हुए।

वहीं, अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ॰ पूनम चौधरी ने सभी शुभकामना देते हुए अस्पताल की परिसेवा में उत्तरोत्तर वृद्धि पर जोर दिया। वहीं अपने उद्गार व्यक्त करते हुए, क्षेत्रीय महाप्रबंधक सुभाष चंद्र मित्रा ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी और कहा कि पिछले चार दशकों से यह अस्पताल अपनी सेवा दे रहा है और भविष्य में इसे और अधिक सशक्त और समर्पित करना हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

इस मौके पर डॉ॰ पूनम के साथ डॉ॰ मौदीपा बनर्जी, डॉ॰ हमजा हमिस सहित अन्य चिकित्सक एवं अस्पताल के स्टाफ़ मौजूद रहे।

त्योहारो को लेकर पाण्डेश्वर थाने मे शांति समिति की बैठक

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (पाण्डेश्वर): होली एवं रमजान त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए मंगलवार को पांडेश्वर थाना पुलिस की ओर से शांति समिति की बैठक आयोजित हुई| यह बैठक पांडेश्वर के एक हॉल में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर सीआई बी. पिंटू साहा, पांडेश्वर थाना प्रभारी मानब घोष, पांडेश्वर सब ट्रैफिक प्रभारी विश्वजीत कुंडू के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे|

इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पांडेश्वर थाना प्रभारी मानव घोष ने कहा कि होली मिल जुलकर मनाने का त्योहार है। वहीं रमजान का महिना पवित्र माह है। सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं।

त्योहारों के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे इसलिए संवेदनशील स्थानों में स्टेटिक फोर्स तैनात रहेगी। इसके अलावा विभिन्न इलाकों में मोबाइल पेट्रोलिंग जारी रहेगी। होली के अवसर पर डीजे बजाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। इस मौके पर उन्होंने आगामी त्यौहारों को लेकर सभी को शुभकामनाएं दी|

कार्यक्रम में क्षेत्र के समाजसेवी जनप्रतिनिधि सामाजिक संस्थाएं के लोग उपस्थित थे|

कृष्णानगर कोलियरी के आवासीय क्षेत्र में पानी का नल तोड़ने पर बढ़ा तनाव

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (जमुड़िया): कृष्णानगर कोलियरी के ईसीएल आवासीय क्षेत्र में पानी का नल तोड़े जाने के बाद तनाव फैल गया। तनाव मंगलवार की सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जब पीएचई अधिकारियों ने कृष्णानगर कोलियरी के ईसीएल आवास के सामने लगी सभी नालो को हटा दिया।

घटना के बाद कृष्णानगर कोलियरी के स्थानीय निवासियों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर जामुड़िया थाने के केंदा चौकी से पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। करीब एक घंटे तक सड़क जाम करने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस से आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया। पुलिस के आश्वासन के बाद टूटे नलों की मरम्मत का काम घंटों चलता रहा।

इस संबंध में स्थानीय निवासी प्रीति बनर्जी ने बताया कि पीएचई विभाग का एक ठेकेदार अर्जुन चौधरी सुबह से ही पीएचई विभाग के अधिकारियों के साथ नालो को तोड़ रहा था। उन्होंने कहा कि पीएचई विभाग के ठेकेदार अर्जुन चौधरी के घर में अवैध नल लगा हुआ है, लेकिन उन्होंने अपने घर का नल तोड़ने के बजाय कृष्णानगर कोलियरी के ईसीएल आवास क्षेत्र में लगे नल तोड़ दिए, यहां तक कि आंगनबाड़ी केंद्र के सामने लगे नल को भी तोड़ दिया। आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चों को पीने के लिए या खाना पकाने के लिए पानी कहां से मिलेगा?

संपर्क करने पर पीएचई अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी।

सीतारामपुर मस्जिद मोहल्ला में 10 दिन के तरावीह नमाज का समापन

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (नियामतपुर): सीतारामपुर मस्जिद मोहल्ला में 10 दिन के तरावीह नमाज का समापन हुआ। बता दें कि इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार यह रमजान का महीना चल रहा है, जिसमें मुस्लिम समाज के लोगों का सब्र से जुड़ी अपना आस्था है। इस क्रम में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रख कर खुदा की इबादत में खुद को लीन रखते हैं, साथ ही रात्रि के समय पूरे शिद्दत के साथ कुरान पाक की तिलावत सुन कर तरावीह की 20 रकात नमाज अदा करते हैं। इसी क्रम में सीतारामपुर मस्जिद मोहल्ला में चल रहे 10 दिन के मुकम्मल कुरान तरावीह का आज समापन हुआ। जिस दौरान नमाज अदा करा रहे हाफिज जनाब सरफराज साथ ही इबादत कर रहे मुसलमानों ने अल्लाह के आगे हाथ उठा कर पूरे मुल्क में अमन शांति की कामना की गई।

रानीगंज पुलिस की तत्परता से चोरी हुई गहने और नगदी समेत आरोपी गिरफ्तार

अनूप जोशी

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (रानीगंज): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के रानीगंज थाना के इंस्पेक्टर विकास दत्ता के नेतृत्व में एक बार फिर पुलिसिया कारवाई में बड़ी सफलता मिली है। रानीगंज के ईस्ट कॉलेज पाड़ा इलाके में चोरी की घटना के मामले रानीगंज थाना पुलिस ने चोरी होने के दो दिन के अंदर ही त्वरित कारवाई करते हुए चोर को न सिर्फ पकड़ लिया बल्कि उसके पास से चोरी के गहने और नकद राशि भी बरामद की,

रानीगंज थाना क्षेत्र के ईस्ट कॉलेज पाड़ा स्थित एक काली मंदिर में 6 मार्च को चोरी की घटना घटी। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और चोर को पकड़कर चोरी गया सारा सामान और नकद राशि बरामद कर ली।

जानकारी के अनुसार, मंदिर और घर के मालिक बिस्वरूप बतबल्ल 6 मार्च को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बांकुड़ा गए थे। जब वे 7 मार्च को लौटे, तो उन्होंने देखा कि उनके घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है। घर और मंदिर की जांच करने पर पता चला कि मां काली की मूर्ति पर चढ़ाए गए सारे गहने, कुछ कीमती सामान और लगभग 70,000 रुपये नकद चोरी हो गए हैं। इसके बाद उन्होंने तुरंत रानीगंज थाने में सूचना दी।

पुलिस ने 7 मार्च को उनकी लिखित शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी। रानीगंज थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिकाश दत्ता के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और खुफिया सूत्रों की मदद से जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर 8 मार्च को 25 वर्षीय विकाश शर्मा को गिरफ्तार किया। आरोपी को आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 4 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी किए गए सामान को छुपाने की जानकारी दी।

11 मार्च को पुलिस उसे लेकर क्षेत्र के खयेरबांध इलाके के पास जंगल में पहुंची, जहां चोरी का सामान और नकद राशि एक पोटली में छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने पोटली खोलकर देखा तो उसमें विभिन्न आभूषण और नकदी बरामद हुई।

पुलिस की इस कार्रवाई से बिस्वरूप बतबल्ल संतुष्ट हैं और उन्होंने पुलिस की सराहना की है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पहले भी कई चोरी की वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस अब उसके पुराने मामलों की भी जांच कर रही है। पुलिस की इस घटना में त्वरित कारवाई को लेकर स्थानीय लोगों ने भी पुलिस प्रशंसा की है।

पंचायत सदस्य सुमित्रा हांसदा का दांव पड़ा उल्टा

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (कांकसा): गोपालपुर ग्राम पंचायत की सदस्य सुमित्रा हांसदा, स्थानीय लोगों के लिए काम की मांग को लेकर तृणमूल का झंडा लेकर कांकसा के पाथरडीहा गांव में एक गैस निष्कर्षण कंपनी के गेट के सामने सड़क पर उतरीं। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्लॉक तृणमूल अध्यक्ष नब कुमार सामंत स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं को वंचित कर रहे हैं और पैसे के बदले बाहर से लोगों को ला रहे हैं। वह इस आंदोलन में इसलिए शामिल हुए क्योंकि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सूचित करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। उन्होंने धमकी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे तथा अपनी सदस्यता वापस ले लेंगे। हालांकि, ब्लॉक अध्यक्ष ने सोमवार को सभी आरोपों से इनकार किया।

घटना के प्रकाश में आते ही सत्तारूढ़ पार्टी असहज हो गई। घटना के बाद मंगलवार सुबह विपरीत घटना प्रकाश में आई। पाथरडीहा गांव के लोग, जिनके काम के लिए पंचायत सदस्य ने विरोध प्रदर्शन किया था, अब अपने पहचान पत्र और तृणमूल का झंडा लेकर सड़कों पर उतर आए। उन्होंने शिकायत की कि गांव में कई लोग तृणमूल के लिए काम करते हैं। उनकी पंचायत सदस्य सुमित्रा हांसदा द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह झूठे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत सदस्य ने शायद अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को शामिल करने की कोशिश की थी। ऐसा न करने पर उसने ब्लॉक अध्यक्ष के खिलाफ झूठे आरोप लगाए। ग्रामीणों और गैस निष्कर्षण कंपनी के कर्मचारियों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। कांकसा ब्लॉक के तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष नव कुमार सामंत ने आज दोपहर करीब एक बजे कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि पंचायत सदस्य झूठे आरोप लगा रहे हैं।

गांव के लोगों ने यह साबित कर दिया है। उनका अनुमान है कि कोई व्यक्ति पंचायत सदस्य को गुमराह कर रहा है और उनके खिलाफ झूठे आरोप लगा रहा है। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में पार्टी को सूचित करेंगे। हालांकि, मंगलवार की घटना के बाद से सुमित्रा हांसदा से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। उनसे सम्पर्क करने का कोई रास्ता नहीं था।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

आज का राशिफल

12 मार्च 2025
बुधवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन अच्छा रहेगा। अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है। मन प्रसन्न होगा। नौकरी में तरक्की का योग है। व्यापार में सोच समझ कर धन खर्च करना होगा, नहीं तो धन हानि हो सकती है। छात्रों के लिए दिन ठीक है। स्वास्थ का ध्यान रखें।

वृषभ

दिन व्यस्त रहेगा। नौकरी क्षेत्र में अत्यधिक कार्यभार के चलते मानसिक तनाव महसूस करेंगे। माता पिता के साथ समय व्यतीत करें। व्यापार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। अनावश्यक खर्चे हो सकते हैं। बजट बनाकर चलना होगा।

मिथुन

दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार में सावधान रहने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद हो सकता है। क्रोद्ध और वाणी पर संयम रखना होगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मलित हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ख्याल रखे।

कर्क

दिन सामान्य रहेगा। संयत रहने की आवश्यकता है। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचना होगा। धन प्राप्ति के योग हैं। मन परेशान हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। खर्च बढ़ सकते हैं। परिवार में वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

दिन बढ़िया रहेगा। मन शान्त रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

दिन अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगे। संयत रहने की आवश्यकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति का माहौल बना रहेगा। मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन की संभावना हैं। व्यापार अच्छा चलेगा।

तुला

दिन सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अपनी सोच और व्यवहार को संतुलित रखना होगा। किसी पर ज्यादा भरोसा करने से बचें। बड़ा फैसला सोच-विचार कर लेना बेहतर रहेगा। परिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक

दिन अच्छा रहेगा। शारीरिक रूप से स्वास्थ्य रहेगे। बिना सोचे-समझे अपना पैसा बर्बाद ना करे। व्यापार में कोई बड़ी डील कन्फर्म हो सकती है। भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। क्रोध एवं वाणी पर संयम रखें।

धनु

दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार में व्यवधान आ सकती हैं। प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ के योग बन रहे है। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

मकर

दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ सकता है। समाज में सम्मान बढ़ेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। आकस्मिक लाभ होगा।

कुंभ

दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता से धनलाभ की स्थिति बनेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक क्षेत्र में प्रशंसापात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में सुखमय रहेगा।

मीन

दिन शुभ रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के अनुसार पूर्ण होंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कोई शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी में वेतन वृद्धि के योग हैं।

बेलगड़िया टाउनशिप में सुरक्षा, पानी, बिजली सहित मूलभूत सुविधाएं होंगी सुदृढ़- आयुक्त

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग सह अध्यक्ष झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार पवन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय में जेआरडीए प्रबंध पर्षद की 35वीं बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर आयुक्त ने बेलगड़िया टाउनशिप में सुरक्षा, पानी, बिजली, साफ सफाई, स्वास्थ्य केंद्र सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। साथ ही एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन, मेधा डेयरी बूथ तथा बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों की सुरक्षा के लिए टाउन आउट पोस्ट (टी.ओ.पी.) स्थापित करने का प्रस्ताव, भूमि हस्तांतरण तथा आवास ऑनरशिप ट्रांसफर में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक के क्रम में आयुक्त ने बेलगड़िया टाउनशिप में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पलानी मोड़ वाया फेज 5 से रानी रोड का चौड़ीकरण व मरम्मत, फेज 1, 2 एवं 3 में नालियों एवं सेप्टिक टैंक की साफ सफाई, सड़क चौड़ीकरण व पेवर ब्लॉक बिछाना, सुलभ शौचालय का निर्माण, पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए पाइपलाइन बिछाना, वित्तीय वर्ष 2025 - 26 का प्रस्तावित बजट, ऑडिटर की नियुक्ति, शॉपिंग सेंटर में दुकानों का एलॉटमेंट सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की।

आयुक्त ने कहा कि जेआरडीए के सुचारु कामकाज के लिए प्रबंध पर्षद की त्रैमासिक बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। उन्होंने लीगल टाइटल होल्डर (एलटीएच) एवं नन लीगल टाइटल होल्डर (नन एलटीएच) के शिफ्टिंग, अलॉटमेंट एवं मुआवजा में एसओपी का पालन करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त सह प्रबंध निदेशक जेआरडीए माधवी मिश्रा, बीसीसीएल के सीएमडी समिरन दत्ता, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, जेआरडीए प्रभारी सह सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएलओ राम नारायण खलको, डीएसपी धीरेन्द्र नारायण बंका, बीसीसीएल के निदेशक (संचालन) संजय सिंह, महाप्रबंधक झरिया मास्टर प्लान फुल झा, महाप्रबंधक पर्यावरण राजीव चोपड़ा, क्षेत्रीय प्रबंधक आरआइ- 2 संजीव सिंह, जेआरडीए के सलाहकार डीएन माहापात्रा, वित्त अजय भारतीया, विद्युत अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

चिकित्सकों की कमी दूर होगी, 163 को आज मिलेगी नियुक्ति पत्र

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): रांची/ राज्य में चिकित्सकों की कमी जल्द ही दूर होगी. अस्पतालों में खाली पदों को भरने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से 163 विशेष चिकित्सा पदाधिकारी और तकनीकी पदों पर स्वास्थ्य कर्मियों की बहाली होने जा रही है. इनमें कई विशेषज्ञ डॉक्टर्स शामिल हैं. बुधवार (12 मार्च) को नामकुम स्थित एनएचएम परिसर में अनुबंध आधारित 105 चिकित्सकों के साथ ही 58 चयनित अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी नियुक्ति पत्र सौंपेंगे,

इस संबंध में विभाग द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है. जिन पदों पर नियुक्ति की गयी है उनमें विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, दंत चिकित्सक, ओटी टेक्नीशियन और विधि परामर्शी के पद शामिल हैं. एनएचएम की ओर से 27 पदाधिकारियों और कर्मियों को प्रतिनियुक्त करते हुए सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. आपको बता दें कि इनमें 11 डेंटल सर्जन की नियुक्ति प्रक्रिया दिसंबर 2023 में पूरी कर ली गयी थी,

राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित स्वास्थ्य केंद्रों-अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी है, अनुबंध पर कार्यरत चिकित्सकों की कमी के कारण आम आदमी को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. इसे लेकर बजट सत्र के दौरान झामुमो नेता सह मुख्य सचेतक मथुरा महतो ने डॉक्टरों की कमी का मामला सदन में उठाया था. खासकर जिला विशेष के ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों-अस्पतालों के रिक्त स्वीकृत पदों के विरुद्ध नियुक्ति पर चर्चा हुई थी ।

सीएफएम संक्षिप्त

एयर एंबुलेंस की सेवा संबंधी जानकारियां

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): रांची। झारखंड के जरूरतमंद मरीजों के परिजन नगर विमान विभाग द्वारा संचालित 918210594073 मोबाइल नंबर पर फोन कर एयर एंबुलेंस की सेवा संबंधी जानकारियां 24 घंटे किसी भी समय ले सकते हैं. जानकारी के अनुसार, झारखंड के बाहर अन्य गंतव्य स्थानों पर मरीजों को ले जाने पर संबंधित व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर 55,000 प्रति उड़ान घंटे की दर पर एयर एंबुलेंस की सुविधा दी जाती है।

झारखंड विधानसभा में होली मिलन समारोह आयोजित

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): रांची/ झारखंड विधानसभा में आयोजित होली मिलन समारोह में झरिया विधायक रागिनी सिंह सम्मिलित हुई. उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को गुलाल लगाकर उन्हें होली की विशेष बधाई एवं शुभकामनाएं दी. वही बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त किया. इस दौरान मुख्य रूप से मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन, विधायक नीरा यादव, विधायक राज सिन्हा, विधायक कल्पना सोरेन सहित अन्य विधायक व अन्य गणमान्य मौजूद रहे. वही वहां मौजूद महिला पत्रकारों को गुलाल लगाकर उन्हें होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

6 गतिरोधक बेरियर लगाया गया हीरक रोड पर

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स टीम के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल के पहल पर बारवाअड्डा थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि के सहयोग से धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच, नेहरू बाल एकेडमी एवं बीबीएमकेयू की बीच हीरक रोड पर 6 गति रोधक बेरियर हमेशा के डाला गया। जिससे अब गाड़ियों की रफ्तार में कुछ कमी होगी। अब आगे बहुत जल्द यहाँ ओवर ब्रिज बनाने की माँग को लेकर ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के गौतम कुमार मंडल का प्रयास जारी रहेगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): कतरास, होली के पहले कतरास में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई न्यू बॉम्बे स्वीट्स सहित कई होटल व रेस्टोरेंट में हुईं छापेमारी वसूला गया जुर्माना, कार्रवाई के बाद मिठाई दुकानदारों में मचा हड़कंप।

राहगीर को सांढ़ ने पटका, स्थिति गंभीर

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): शहर के पुराना बाजार के समीप मंगलवार की सुबह एक बुजुर्ग व्यक्ति पर साढ़ ने हमला कर दिया। जिसके बाद बुजुर्ग व्यक्ति सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां बुजुर्ग की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

विशेष अवकाश की घोषणा, 14 से 16 तक रहेगी छुट्टी

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): रांची/ होली पर्व को लेकर 14 मार्च को छुट्टी घोषित थी 15 मार्च शनिवार को भी झारखण्ड सरकार ने छुट्टी की घोषणा कर दी है, 16 मार्च को रविवार होने के कारण सभी कार्यालय 17 को खोले जाएंगे। अतः सभी विभागों में 14 से 16 मार्च तक तीन दिन छुट्टियां रहेंगी।

छात्र- छात्राओं के लिए उत्कृष्ट विद्यालय और हाई स्कूल दिए जाने की मांग

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): रांची/ मंगलवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह ने प्रश्न काल के दौरान क्षेत्र के छात्र छात्राओं के लिए उत्कृष्ट विद्यालय और हाई स्कूल दिए जाने की मांग रखते हुए झारखंड सरकार द्वारा संचालित उत्कृष्ट विद्यालयों में तीन विद्यालय संचालित होने की बात कही लेकिन उक्त सभी विद्यालय धनबाद विधानसभा में पड़ते है। तीनों में कोई भी विद्यालय झरिया विधानसभा क्षेत्र में नही है। सरकार उत्कृष्ट विद्यालयों की संख्या दुगनी करने की इक्षा रखती है। मैं नए चयनित सूची में झरिया विधानसभा क्षेत्र को भी एक उत्कृष्ट विद्यालय दिए जाने की मांग करती हु जिस पर माननीय मंत्री जी ने झरिया विधान सभा में उत्कृष्ट विद्यालय ना होने की बात स्वीकार करते हुए विभागीय कार्यवाही अनुसार उत्कृष्ट विद्यालय में झरिया को भी दिए जाने का

भरोसा दिलाया वही सरकार के पिछले कार्यकाल में 130 से ऊपर हाई स्कूलों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई शुरू कराई गई थी जिसमे सात हाई स्कूल धनबाद जिला से थे परंतु आश्चर्यजनक रूप से उस सूची में भी झरिया विधानसभा क्षेत्र का कोई हाई स्कूल शामिल नही होने की बात बताई।

वही प्रश्नकाल काल के दूसरी पाली में झरिया विधायक श्रीमती सिंह ने झरिया विधानसभा क्षेत्र में खनन क्षेत्र में कार्य कर रहे ट्रांसपोर्टरों और अधिकृत डी.ओ. धारी व्यापारियों से रंगदारी मांगने का मामला उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में खनन क्षेत्र में काम कर रहे डी ओ धारकों से कोयला उठाव में अपराधी तत्व के लोग रंगदारी की मांग करते है नहीं दिए जाने पर काम को महीनों बंद कर डी ओ कैंसिल करा देते है ऐसे में व्यापारियों में खौफ का माहौल बना हुआ है वही बार बार प्रशाशन को सूचना उपरांत भी जिला प्रशाशन द्वारा उपयुक्त कार्यवाही नहीं की गई यहां तक कि डीजीपी झारखंड को भी मामला संज्ञान देने उपरांत भी कोई कार्यवाही न होना साफ करता है कि इसमें कई सत्ता पक्ष के लोग है जो प्रशाशन के संरक्षण में मिलीभगत कर ऐसे कार्य कर रहे है।

आयुक्त व डीआईजी ने की त्योहारों को लेकर तैयारियों की समीक्षा

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग पवन कुमार तथा बोकारो प्रक्षेत्र के डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा ने मंगलवार को समाहरणालय में होली एवं रमजान त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि सभी थाना क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों को शांति समिति में जोड़ें। संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च करें और विशेष निगरानी रखें। असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनकी धरपकड़ करें।

आयुक्त ने शराब पीकर और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर नकेल कसने, कंट्रोल रूम में एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन तथा सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में डीआईजी ने सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखने, क्रिक रिस्पांस टीम (क्यू.आर.टी.) प्लान तैयार करने, चौबीस घंटे कंट्रोल रूम एक्टिव रखने, थाना क्षेत्र के होलिका दहन स्थल को चिह्नित करने, मादक पदार्थ एवं अवैध शराब बिक्री करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर के आसपास गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान आयुक्त एवं डीआईजी ने कोयला एवं बालू के अवैध खनन व परिवहन को रोकने के लिए भी दिशा निर्देश दिए। इसके लिए अवैध खनन स्थलों पर खनन टास्क फोर्स द्वारा नियमित छापामारी करने, मुहानों की डोजरिंग करने, अवैध खनन के रूट पर छापामारी करने, अवैध खनन की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करने, वर्वस्व स्थापित करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, सिटी एसपी अजीत कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीएमओ रितेश राज तिग्गा, राज्य कर सहायक आयुक्त ध्रुव नारायण राय, डीएसपी धीरेन्द्र नारायण बंका, नौशाद आलम, शंकर कामती, अरविन्द कुमार सिंह, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष कुमार सत्यम, एसडीपीओ निरसा रजत माणिक बाखला, साइबर डीएसपी संजीव कुमार, सीआइएसएफ के कमांडेंट विशाल शर्मा, सहायक कमांडेंट एल. गौतम मौजूद थे।

कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू पुलिस मुठभेड़ में ढेर

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): रांची/ झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बने कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है, यह घटना मंगलवार की सुबह पलामू में हुई है, जब अमन साहू को रांची पुलिस की टीम रायपुर से पूछताछ के लिए रिमांड पर रांची ला रही थी, इसी दौरान पुलिस की गाड़ी पलामू में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, तभी अमन साहू पुलिस का हथियार छीनकर भागने लगा, पुलिस ने जब उसे रोकने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद पुलिस की टीम ने उसे एनकाउंटर में मार गिराया, हालांकि अभी तक इस घटना की कोई आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है।

कुख्यात गैंग्सटर अमन साहू के छोटे भाई आकाश साहू ने अपने भाई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अदालत से औपबंधिक जमानत की गुहार लगायी है। अमन साहू का भाई आकाश साहू इस समय रांची की होटवार जेल में बंद है। आकाश ने अदालत में गुहार लगायी है कि अपने भाई के अंतिम संस्कार और क्रिया-कर्म में शामिल होने के लिए 13 दिनों की औपबंधिक जमानत दी जाये।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति का शताब्दी वर्ष का भव्य भूमि पूजन आयोजित

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): रांची/ राजधानी रांची के भुताहा तालाब स्थित श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति की ओर से चैती दुर्गा पूजा शताब्दी वर्ष की और चैत्र नवरात्र को लेकर पंडाल निर्माण के कार्य का शुभारंभ आज पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ।

भूमि पूजन मंगलवार को किया गया। पूजा के सभी अनुष्ठान मंदिर के पुजारी सुभाष चंद्र मिश्रा की ओर से विधि विधान पूर्वक संपन्न कराए गये।

प्रवक्ता नमन भारतीय ने बताया कि इस साल पहले से बड़ा और आकर्षक पूजा पंडाल बनाया जाएगा। सती मां दुर्गा की बड़ी प्रतिमा स्थापित कर पूजा धूमधाम से की जाएगी।

इस भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक किशोर साहू, राजकुमार गुप्ता, उदय साहू, अध्यक्ष शंकर दुबे, कार्यकारणी अध्यक्ष दीपू सिंह, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह),के अलावा कई अन्य भक्त भूमि पूजन में शामिल हुए। इस मौके पर मां भवानी की पूजा- अर्चना कर आरती कर भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

यह जानकारी महासमिति के प्रवक्ता नमन भारतीय एवं मिडिया प्रभारी सौरभ राय एवं रोहित सिंह ने दिया।

जमशेदपुर में आतंक रईसजादे का, दहशत में जनता

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): जमशेदपुर सहित पुरे झारखंड में कानून व्यवस्था मजाक बनकर रह गई है। पूरे राज्य में अपराधियों का बोलबाला है। ताजा मामला जमशेदपुर के मानगों का। मानगों में रइस जादा के पुत्र खुल्लेआम हाथ में पिस्टल लिए फायरिंग कर पूरे इलाके में दहशत फैला रहा है।सूत्रों की माने 10 गाड़ी के साथ यह रइस जादा सड़क पर निकलता है हाथ में पिस्टल लिए हुई फायरिंग करते हुए पूरे इलाके में दहशत फैलाता है। अगर कोई सामने आवाज दे दे तो उसकी जमकर पिटाई करता है यह सारा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उधर मानगो कि जनता दहशत में है। अब इसके खिलाफ कोई बोलने को तैयार नहीं है। सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में आखिर वर्दी वाला क्या कर रहा है।

ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं करता जो खुलेआम पिस्तौल लहराते हुए फायरिंग कर रहा है।

इलाज के दौरान, रोड हादसें में घायल स्कूली छात्र प्रीतम महतो की मौत

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): डीपीएस, हीरक ब्रांच कमल कटेसरिया के बगल स्कूल नेहरू एकेडमी के छात्र भेलाटाड़ निवासी प्रीतम कुमार महतो (उम्र- 14 वर्ष) पिता पुरन चंद्र महतो का एक लौता बेटा रोड पार करने के दौरान तेज रफ्तार पिकअप भेन के चपेट में आने से मिशन हॉस्पिटल, दुर्गापुर के वेंटिलेटर आईसीयू में ईलाज के दौरान मौत। इस दर्दनाक घटना से स्कूली छात्र-छात्राओ के परिजनों में डर का माहौल, सभी के चेहरे में मायूसी, क्षेत्र में शोक की लहर। मैं गौतम कुमार मंडल संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स धनबाद जिला प्रशासन से अविलंब माँग करता हूँ कि धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच, नेहरू बाल एकेडमी एवं बीबीएमकेयू के बीच में 2 ओवर ब्रिज फुट स्ट्रिप का निर्माण जल्द से जल्द किया जाये ताकि भविष्य में स्कूली बच्चे एवं आम आदमी ऐसे दर्दनाक दुर्घटना से बच सकें। भगवान इनके आत्मा को शांति दे और परिवार वाले को दुःख सहने का हिम्मत दे।

उपायुक्त ने हर्बल अबीर एवं गुलाल की विक्रय स्टाल का किया उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा समाहरणालय परिसर में लगाए गए हर्बल अबीर एवं गुलाल की विक्रय स्टाल का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने समस्त जिलावासियों से इस होली में हर्बल गुलाल एवं अबीर का उपयोग करने की अपील की है।

डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन ने बताया कि सरकार के जेएसएलपीएस पलाश ब्रांड से जुड़ी दीदियों की ओर से पलाश के फूल, सिंद्धार फूल, गुलाबी बीटरूट, हल्दी, पालक, एवं अरारोट पाउडर से अबीर बनाये गये हैं। ये गुलाल मंगलवार से जेएसएलपीएस के प्रखंड एवं जिला कार्यालय के साथ ही हाट बाजारों में स्टाल लगाकर बेचा जायेगा। एक पैकेट की कीमत मात्र 30 रुपये है।

मौके पर डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन, बीपीओ कृष्णा कुमार प्रामाणिक, बीपीओ नवीन कुमार, जिला प्रबंधक एचआर प्रवीण कुमार, दीदी डॉली सिंह, माधुरी देवी, भारती कुमारी समेत अन्य मौजूद रहें।

पांचवीं पुण्यतिथि पर स्व॰ रूपा देवी को दी गई श्रध्दांजलि

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): समाजसेवी स्वर्गीय राम परीखा की धर्मपत्नी स्व. रूपा देवी का पांचवा पुण्यतिथि झरिया विधानसभा अंतर्गत डिगवाडीह मदन राम के आवास रूप निवास में मनाया गया। आए हुए अतिथियों ने रूपा देवी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन कर नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मदन राम, रूपाली देवी तेजस चंद्रवंशी रितिका चंद्रवंशी महेंद्र सिंह राजेश कुमार समरेंद्र पासवान जितेंद्र पासवान शांतनु कुमार अवधेश तिवारी रविंद्र पासवान रामाशीष चौहान सुनील राय वीरेंद्र जी सुबोध वर्मा मनीष कुमार गणेश भारती शुभम राम आलोक खरवार आलोक कुमार अंकुश प्रेम बब्लू सदरे आलम महफूज आलम राजू हरि पिंटू इम्तियाज बादशाह खान हरिप्रसाद भीम बाउरी मोहम्मद शमशाद मोहम्मद अनवर रमेश पासवान जावेद खान हैदर अली राजू कुमार मोहम्मद जसीम सुरेश गुप्ता दिलीप रवानी आदित्य नारायण दिनेश खरवार राहुल कुमार शकीला बानो सब शेख अजय पासवान गामा सिंह राजेश कुमार राम आदि थे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आयोजित किया होली मिलन समारोह

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की धनबाद जिला कमेटी ने मंगलवार को असरफी हॉस्पिटल के समीप एक निजी होटल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अबीर-गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक होली के रंग में सराबोर हो गए।

समारोह के दौरान मंच से झारखंड मुक्ति मोर्चा की जिला कमेटी ने समस्त धनबादवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं और इस त्योहार को सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में भोजपुरी गायक राजू सिंह अनुरागी ने अपने पारंपरिक फगुआ गीतों से माहौल को जीवंत बना दिया। उनके गीतों पर उपस्थित लोग झूमते नजर आए।

होली मिलन समारोह में जेएमएम के जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, मुकेश सिंह, नीलम मिश्रा, रतीलाल टुडू, मदन महतो, हरीश सिंह, अनवरी खातून, मंटू चौहान, मिराज खान समेत कई अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा झारखंड मुक्ति मोर्चा सभी समुदायों और धर्मों को साथ लेकर चलने का काम करती है। हम इस होली पर सभी से मिलजुलकर त्योहार मनाने की अपील करते हैं।

साथ ही झारखंड में जेएमएम की नई सरकार बनने पर सभी को बधाई देते हैं। यह सरकार झारखंड के विकास और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का कार्य करेगी।

कार्यक्रम ने धनबाद में होली के उत्साह को और भी बढ़ा दिया और पार्टी के नेताओं ने सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया।

गुरु शिव परिवार जननी सुरक्षा ट्रस्ट का होली मिलन समारोह

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): गुरु शिव परिवार जननी सुरक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामा शीश चौहान, सचिव तारा मधु देवी के नेतृत्व मे बनियाहीर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, सामाजिक कार्यकर्ता, बेबी देवी, तारा मधु देवी व शिव शंकर प्रसाद को अंग वस्त्र और प्रामाण पत्र दे कर के सम्मानित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई, होली पर्व के होली मिलन समारोह के शुभ अवसर पर श्री चौहान ने सभी देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और महिलाओ को सुरक्षा देने का वचन देते हुए प्रशिक्षण दिलाकर रोजगार से जोड़ कर आर्थिक आजादी दिलाने का आश्वासन दिया, और कहा कि हमारी ट्रस्ट हमेसा आपके साथ खड़े मिलेंगे, जब भी आप आवाज देंगे हमारा कार्यकर्ता 24 घंटे तैयार मिलेंगे। होली मिलन समारोह मे, सुनीता देवी, अनीता देवी, सरोज देवी, सरस्वती देवी, पुष्पां देवी, बसंती देवी, गीता देवी, श्यामा देवी, अंजु देवी, उर्मिला देवी, पूर्णिमा देवी, शोभा देवी, रीना देवी, सुमित्रा देवी आदि मौजूद थे।

सुरंगा के ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु बीसीसीएल ने की पहल

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): सुरंगा के आंदोलित ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु लोदना क्षेत्र, बी.सी.सी.एल. द्वारा मौजा सुरंगा, मौजा सं0-155, अंचल- बलियापुर, जिला - धनबाद के अंतर्गत जमीन क्रय किए जाने वाले प्लॉट को स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशित करने के संबंध में लोदना क्षेत्र, बी.सी.सी.एल. द्वारा मौजा सुरंगा, मौजा सं0 155, अंचल बलियापुर, जिला- धनबाद के अंतर्गत निम्नलिखित भूमि क्रय किया जा रहा है जिसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

1. हाल खाता सं0-231, प्लॉट सं0- 1635, 1637, 1717, 1704, 1741, 183, 205 एवं हाल खाता सं0-230, प्लॉट सं0- 1830, कुल रकवा- 50 डिसमिल मालिक - मनपुरन कुम्हार, कुसमी देवी, तरानी कुम्भकार, बलराम कुम्भकार, मगाराम कुम्हार, सरला देवी, राजु कुम्भकार, अर्जुन कुम्भकार, भीम कुम्भकार, टूसू देवी, सतेंद्र कुम्हार । 2. हाल खाता सं0- 375, प्लॉट सं0 1639 (अंश), 1641 (अंश), 1640 (अंश), 1634 (अंश), 1822 (अंश), 1834 (अंश), 1737, हाल खाता सं0- 157, प्लॉट सं0- 1651 (अंश) एवं हाल खाता सं0-185, प्लॉट 1841 कुल रकवा 103.64 डिसमिल, मालिक उमेश चंद्र राय, अरविंद राय, सुमित राय एवं परमिला कुवर। 3. हाल खाता सं0-166, प्लॉट सं0-1872, 1824 एवं 1825, कुल रकवा- 50 डिसमिल मालिक भानू देवी, बसुदेव कुम्भकार, राहुल कुम्भकार, रपरु देवी, गोपल कुम्भकार, तारापद कुम्भकार, भाभी देवी, नेपाल कुम्भकार, सुधिर कुम्भकार, गुरुपदो कुम्भकार, निरापद कुम्भकार। 4. हाल खाता सं0-25, प्लॉट सं0-1995 एवं 1998, कुल रकवा 13 डिसमिल मालिक यमुना देवी, लखी कांत कुम्भकार, सिमांत कुम्भकर, हराधन कुम्भकार, दुर्गाचरन कुम्भकार। इसके अतिरिक्त अगर कोई कानूनी उत्तरधिकारी/दावेदार पुरूष/महिला है तो अंचल अधिकारी से निर्गत वंशावली, सविक खतियान, हाल खतियान, रजिस्टर-2, वर्तमान मालगुजारी रशीद आदि के छायाप्रति के साथ अविलंब लोदना प्रबंधन को सूचित करें जिससे की आगे की कार्यवाही उसी अनुरुप किया जा सके।

उक्त सूचनाओं का स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु प्रस्ताव सक्षम पदाधिकारी के पास प्रेषित की।

फिर हुआ बेटियों का क़त्ल... बढ़ रहे है लिव इन के नतीजे, आखिर क्या बला है लिव-इन रिलेशन

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: कुछ समय पहले एक खबर खूब चर्चा में रही कि आफ़ताब नाम के एक युवक ने अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा की हत्या करके उसके शव को 35 टुकड़ों में काटकर अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड की चिंगारी बुझी नहीं थी कि मुंबई से एक और दिल दहला देने वाला मामला सामने आ गया। यहां पर रहने वाले मनोज साने ने अपनी लिव-इन पार्टनर सरस्वती वैद्य की हत्या करके, उसके शव के टुकड़े ही नहीं किए, बल्कि शव के टुकड़ों को प्रेशर कुकर में उबाल डाला। वहीं, एक अन्य जगह लिव-इन पार्टनर द्वारा शादी से मना करने के बाद प्रेमिका ने आत्महत्या कर लिया। ऐसी एक-दो नहीं बल्कि अनगिनत घटनाएं हैं जिन्हें आप और हम चाय की चुस्की लेते हुए सरसरी नज़र से पढ़कर एक किनारे कर देते हैं। यहां तक कि हम ऐसी मौतों पर दुख भी नहीं जताते। मैंने कई बार अपने आस-पास लोगों को यह कहते हुए सुना है कि ऐसी चरित्रहीन लड़कियों के साथ ऐसा ही होता है। जबकि हम यह भूल जाते हैं कि जिस तरह से भारत में लिव-इन-रिलेशनशिप का चलन बढ़ रहा है, कल को इसी परिस्थिति में हमारे घर के बेटे या बेटियाँ भी हो सकते हैं।

याद हो कि जब दिल्ली के नजफगढ़ में हुई 22 वर्षीय निक्की यादव की हत्या ने देश को झकझोर कर रख दिया था। दिल्ली पुलिस ने नजफगढ़ के मित्राओं गांव के बाहरी इलाके में एक ढाबे में अपनी 22 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की हत्या करने और उसके शव को फ्रिज में रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, मृतका की पहचान निक्की यादव के रूप में हुई है, जिसे उसके प्रेमी साहिल गहलोत (24) ने कश्मीरी गेट आईएसबीटी के पास 9 और 10 फरवरी की दरमियानी रात को गला घोंटकर मार डाला था। आरोपी ने कथित तौर पर अपने मोबाइल के डेटा केबल का इस्तेमाल किया था। महिला का गला घोंटने के लिए उसकी कार में। बाद में उसी दिन उसने दूसरी महिला से शादी कर ली।

साहिल की कहानी आफताब पूनावाला से मिलती-जुलती है, जिसने पिछले साल मई में गुस्से में श्रद्धा वाकर की गला दबाकर हत्या कर दी थी। पूनावाला ने महरौली के एक जंगल में शरीर के अंगों का निपटान करने से पहले वाकर के शरीर को 35 टुकड़ों में तोड़ दिया और उन्हें 300 लीटर रेफ्रिजरेटर में जमा कर दिया।

बताया जाता है निक्की ने तो 10 फरवरी की सुबह गोवा जाने के लिए रेल की टिकट भी बुक करा रखी थी यानी जिस दिन साहिल की शादी थी उसी दिन दोनों गोवा जाने वाले थे लेकिन ठीक एक दिन पहले निक्की को साहिल की सगाई होने की खबर मिली। इस पर निक्की ने साहिल को उत्तम नगर में उस घर में बुलाया और सगाई के बारे में पूछा। इस पर साहिल ने कहा कि ना तो उसकी सगाई हुई है और ना ही 10 फरवरी को उसकी शादी है। निक्की को अपनी बात का यकीन दिलाने के लिए साहिल पहले उसे निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन लाया। निक्की अपने सामान के साथ गई लेकिन साहिल कोई सामान नहीं ले गया। वहां पहुंचकर साहिल ने बताया कि उसकी टिकट कन्फर्म नहीं हुई है इसलिए उसने निक्की से हिमाचल जाने की बात कही।

इसके बाद दोनों निजामुद्दीन से कश्मीरी गेट बस अड्डे आए। जिस कार में ये दोनों लोग थे वो साहिल के भाई की थी। इस दौरान भी दोनों के बीच सगाई और शादी को लेकर झगड़ा बढ़ गया। साहिल ने कार में ही डेटा केबल से निक्की का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस को शक है कि साहिल ने निक्की को बहलाने के लिए गोवा जाने का प्लान बनाया था क्योंकि साहिल को मालूम था कि अगले दिन उसकी शादी है इसलिए पुलिस को लगता है कि साहिल मर्डर का प्लान बनाकर ही निक्की को कार में ले गया था।

आखिर ऐसी नौबत कैसे आई कि करीब पांच साल तक एक साथ लिव-इन में रहने वाले साहिल को अपनी मंगनी वाले दिन मर्डर करना पड़ा। दरअसल, हुआ ये कि निक्की के घरवालों को तो अपनी बेटी के अफेयर के बारे में, उसके लिव इन में रहने का पता नहीं था। सिर्फ निक्की की बहन जानती थी लेकिन उसने भी घरवालों को नहीं बताया था। वहीं, साहिल के घर वाले इस रिश्ते के बारे में जानते थे और उन्हें ये सख्त नापसंद था। आखिरकार घरवालों की मर्जी के सामने साहिल ने हथियार डाल दिए और वो शादी के लिए तैयार हो गया।

एक वक्त था जब लिव-इन रिलेशन को वेस्टर्न कल्चर यानी पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा माना जाता था और भारत में इस तरह के ना के बराबर रिश्ते ही नज़र आते थे, लेकिन पिछले कुछ सालों में यहां भी लिव-इन रिलेशिप तेजी से बढ़े हैं। खासकर शहरों में युवाओं के बीच बिना शादी के एक साथ रहना बढ़ता जा रहा है। ऐसे रिश्ते में लोग रूम शेयर करते हैं, बेड शेयर करते हैं। प्यार मोहब्बत भी होती और सेक्स भी, लेकिन नहीं होता तो कमिटमेंट और यही वजह है कि ऐसे रिश्तों में बढ़ रहे है क्राइम। लिव-इन रिलेशन में सामने आ रही हैं मर्डर की घटनाएं। पिछले करीब एक दो महीनों में ही देश में कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां लिव इन पार्टनर ने लड़की की जान ली है।

दिल्ली के रोहिणी में संजय नाम के एक शख्स पर अपनी लिव-इन पार्टनर के कत्ल के आरोप लगे हैं। संजय और पूनम पिछले एक महीने से साथ में रह रहे थे। दरअसल आगरा की रहने वाली पूनम शादीशुदा थी, लेकिन बावजूद इसके उसका संजय के साथ अफेयर चल रहा था। पूनम के पति और परिवारवालों को इस बात की जानकारी थी। एक महीने पहले वो संजय के साथ रहने के लिए उसके फ्लैट में आ गई। दोनों साथ रहने लगे, लेकिन तीन दिन पहले फ्लैट में पूनम की लाश मिली। संजय फरार हो चुका था। मकान मालिक की शिकायत पर पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो अंदर पूनम का शव पड़ा था। सिर्फ एक महीने में ही संजय ने अपनी लिव-इन पार्टनर की जान ले ली। दिसंबर महीने में ही दिल्ली के तिलक नगर में भी लिव-इन पार्टनर की हत्या का मामला सामने आया था। मनप्रीत नाम का एक शख्स 35 साल की रेखा के साथ उसके फ्लैट में रह रहा था। रेखा की 16 साल की एक बेटी भी थी। एक दिसंबर के दिन रेखा की बेटी अपने कजिन के घर गई थी। वो अपनी मां को फोन लगा रही थी, लेकिन मां ने फोन नहीं उठाया। वो घर गई तो घर में ताला बंद था। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ताला तोड़ा तो अंदर रेखा की लाश पड़ी थी। रेखा को बड़ी ही बेरहमी से मारा गया था। चाकू से उसके चेहरे पर वार किए गए थे और उसकी उंगलियों को भी काट दिया गया था। मनप्रीत और रेखा 7 सालों से लिव-इन रिलेशन में थे। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। रेखा मनप्रीत को उसे उसके परिवार से मिलाने की जिद करती थी और मनप्रीत किसी झंझट में नहीं फंसना चाहता था। आखिरकार रेखा से छुटकारा पाने के लिए उसने उसे मौत दे दी।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के खोड़ा इलाके में रमन नाम के एक शख्स पर अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या के आरोप लगे हैं। रमन और दिव्या कई सालों से साथ रहे रहे थे और दोनों की एक बेटी भी है, लेकिन रमन ने इस बीच एक दूसरी लड़की से शादी कर ली थी। किसी और से शादी के बावजूद वो दिव्या के साथ रहता रहा। दिव्या ने जब रमन पर शादी का दवाब बनाया तो उसने उसका छुटकारा पाने का प्लान बना डाला। मई में वो दिव्या को घुमाने के बहाने शिमला ले गया और सुनसान रास्ते में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। रमन ने शव को जंगल में फेंक दिया और वापस अपने घर आ गया। इस घटना के बाद उसने पुलिस स्टेशन जाकर लड़की के गायब होने की खबर पुलिस को दी। दिव्या के कत्ल के बाद वो आराम से अपने घर में रहता रहा। करीब 6 महीने बाद जब दिव्या के परिवारवालों ने उसके लापता होने की खबर लिखवाई तब जाकर सच सामने आया।

पिछले चंद दिनों में ही लिव-इन पार्टनर की हत्या के ये दिल दहलाने वाले मामले सामने आए। ज्यादातर केस में यही देखा गया कि जब भी लड़की ने अपने पार्टनर पर शादी या कमिटमेंट का दवाब बनाया तो दूसरे पार्टनर ने वो रिश्ता भारी लगने लगा और सामने मर्डर जैसी खौफनाक वारदातें। दरअसल लिव-इन रिलेशिप को लोग मौज मस्ती का एक जरिया मान रहे हैं जिसमें कोई दवाब या कमिटमेंट को नहीं चाहते। इस तरह के रिश्तों को लोग अपने परिवारवालों के सामने भी बताने से परहेज करते हैं।

कुछ बुद्धिजिवी इस समाज का कोढ़ मानने लगे हैं। अपनी कुछ राय बनाने के पहले यह जानना जरूरी है कि आखिर यह लिव-इन रिलेनशिप है क्या बला। इसको बेशक समाज में आज भी इज्जत की नजर से ना देखा जाता हो, लेकिन कानून की नजर में इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि लिव-इन रिलेशन को लेकर कोई लिखित कानून हमारे देश में नहीं है, लेकिन कानून मौलिक अधिकार के तहत ही किसी भी दो व्यस्क को साथ रहने का अधिकार देता है इसलिए लिव-इन रिलेशनशिप को कानून की नज़र में गलत नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि लिव-इन रिलेशन में महिला को वो अधिकार नहीं मिलते जो एक पत्नी को होते हैं। महिला अपने पार्टनर की प्रॉपर्टी की हकदार नहीं मानी जा सकती।

बताया जाता है कि यदि लिव-इन रिलेशनशिप से अगर बच्चा होता है तो उसे जायज माना जाएगा। कानून उसे वो सारे हक मिलेंगे जो शादीशुदा कपल के बच्चों को मिलते हैं। बच्चे का अपने पिता की प्रॉपर्टी पर भी उतना ही हक होगा जितना दूसरे बच्चों का।

लिव-इन रिलेशिप को लेकर बेशक भारत में कोई लिखित कानून न बना हो, लेकिन इस तरह के रिलेशन में अगर हिंसा का मामला सामने आता है तो उसके खिलाफ महिला अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती है। प्रोटेक्शन ऑफ वूमन फ्रॉम डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट 2005 की धारा 2F में जो बातें शामिल हैं वो सारी बातें लिव-इन रिलेशिप पर भी लागू होती हैं। यानी अगर कोई महिला अपने लिव-इन पार्टनर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाती है तो उसे कानून सही माना जाएगा। शायद इसी कारण महिलाओं को अपने हक को मांगने का अधिकार के कारण पुरुष प्रेमी डर जाते है व वह अपने पार्टनर की हत्या कर देता है पर वो नहीं जानता कि ऐसे मामले ज्यादा दिन नहीं छुपते जैसे श्रद्धा हत्याकांड में हुआ था। हत्या के 6 महीने बाद भी हत्यारा पकड़ा गया था।

अशोक भाटिया

स्मार्टफोन से शुरू, जिंदगी पर खत्म: सट्टेबाजी की लत

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: आज का युग तकनीक का युग है, जहाँ हर हाथ में स्मार्टफोन की चमक और हर नज़र के सामने डिजिटल दुनिया का सम्मोहन फैला है। यह चकाचौंध भरी दुनिया जितनी सुख-सुविधाओं का ख़ज़ाना लेकर आई है, उतने ही गहन और खतरनाक अंधेरे भी साथ लाई है। इन अंधेरों में सबसे भयावह है ऑनलाइन सट्टेबाजी का वह जाल, जो भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था पर काले बादलों की तरह छाया हुआ है। तकनीक के अनियंत्रित विस्तार और डिजिटल प्लेटफॉर्मों की सहज उपलब्धता ने इस अवैध धंधे को चंद रातों में एक सुनियोजित और विशाल उद्योग में तब्दील कर दिया है। यह महज़ एक गैरकानूनी कारोबार नहीं, बल्कि एक ऐसी लाइलाज बीमारी है, जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है और आर्थिक स्थिरता को नेस्तनाबूद करने की कगार पर खड़ी है।

स्थिति की भयावहता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि अक्टूबर से दिसंबर 2024 के महज़ तीन महीनों में परिमैच, स्टैक, 1 एक्सबेट और बैटरी फर्स्ट जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी मंचों पर 1.60 अरब से ज़्यादा विजिट्स दर्ज की गईं। यह आँकड़ा उस विनाशकारी हकीकत का महज़ एक झरोखा है, जो इस उद्योग के राक्षसी आकार और प्रभाव को उजागर करता है। एक नीति समूह के हालिया आँकड़ों ने इस संकट की गहराई को और स्पष्ट किया है—अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी क्षेत्र में हर साल 100 अरब डॉलर (8.3 लाख करोड़ रुपये) से अधिक का लेन-देन हो रहा है, और यह हर साल 30% की चौंकाने वाली दर से बढ़ रहा है। यदि इस दानव को अभी नहीं कुचला गया, तो यह एक ऐसा नासूर बन जाएगा, जो हमारी सभ्यता की जड़ों को उखाड़ फेंकेगा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को अंधेरे में धकेल देगा।

इस काले कारोबार की जड़ें गहरी और बहुआयामी हैं। सबसे पहला और प्रमुख स्रोत है खेल सट्टेबाजी, जो क्रिकेट, फुटबॉल और टेनिस जैसे लोकप्रिय खेलों पर आधारित है। भारत में क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक भावना है, और इसी भावना का शोषण यह उद्योग कर रहा है। खासकर आईपीएल जैसे टूर्नामेंट्स के दौरान यह कारोबार चरम पर पहुँच जाता है। देशभर में फैले हजारों बुकियों का संगठित तंत्र लोगों को झूठे मुनाफे का लालच देकर इस जाल में फँसाता है। एक बार इस दलदल में कदम पड़ जाए, तो निकलना असंभव-सा हो जाता है। दूसरा स्रोत है ऑनलाइन कैसीनो गेमिंग, जिसमें पोकर, ब्लैकजैक और रूले जैसे जुए के खेल शामिल हैं। ये खेल न केवल मनोरंजन के नाम पर लोगों को लुभाते हैं, बल्कि काले धन के प्रवाह को भी बढ़ावा देते हैं। यह एक ऐसा चक्रव्यूह है, जहाँ प्रवेश आसान है, पर बाहर निकलने का रास्ता कहीं दिखाई नहीं देता।

तीसरा महत्वपूर्ण आयाम है सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स का दुरुपयोग। व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे मंचों पर सक्रिय हजारों सट्टेबाजी ग्रुप्स लोगों को मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करते हैं। ये समूह विदेशी सर्वरों से संचालित होते हैं, जिसके चलते भारतीय कानून की पकड़ इन तक आसानी से नहीं पहुँच पाती। यहाँ तक कि साधारण नागरिक भी अनजाने में इन ग्रुप्स का हिस्सा बन जाते हैं और धीरे-धीरे इस व्यसन के शिकार हो जाते हैं। चौथा और सबसे चिंताजनक पहलू है प्रचार का वह भोंडा खेल, जिसमें बड़े-बड़े इन्फ्लुएंसर्स और सेलिब्रिटीज मोटी रकम के बदले इन अवैध प्लेटफार्मों का गुणगान करते हैं। इनकी लोकप्रियता और विश्वसनीयता का फायदा उठाकर युवा पीढ़ी को इस जाल की ओर धकेला जा रहा है। यह एक ऐसा षड्यंत्र है, जो समाज के भविष्य को ही दाँव पर लगा रहा है।

इस संकट से निपटने के लिए सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं, पर वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। हाल ही में 658 विदेशी सट्टेबाजी वेबसाइटों को ब्लॉक करने का फैसला लिया गया, जो एक सकारात्मक पहल है। साथ ही, बैंकों को संदिग्ध लेन-देन की निगरानी के लिए निर्देश दिए गए हैं। लेकिन यह समस्या इतनी जटिल और व्यापक है कि केवल सतही उपायों से इसका समाधान संभव नहीं। जरूरत है एक ऐसे कठोर कानूनी ढाँचे की, जो इस उद्योग के हर पहलू को परिभाषित करे और इसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करे। तकनीकी मंचों पर सख्त नियंत्रण, वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता और जन-जागरूकता अभियान इस संकट से उबरने के लिए अनिवार्य हैं। यह केवल कानून का मसला नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी का प्रश्न है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत एक ऐसी आग है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति के जीवन को राख में बदल देती है। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर परिवारों को बर्बाद कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी खोखला कर रही है। एक नीति समूह के अनुसार, यह अवैध उद्योग प्रतिवर्ष 8.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन को पार कर चुका है और 30% की दर से बढ़ रहा है। यह धन देश की प्रगति में योगदान देने के बजाय काले बाजार में समा रहा है। युवा वर्ग, जो देश का भविष्य है, इस लत के चंगुल में फँसकर अपनी ऊर्जा और संभावनाओं को नष्ट कर रहा है। यदि इसे अभी नहीं रोका गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ इसकी कीमत चुकाएँगी।

इस मायाजाल से बाहर निकलने के लिए एक समग्र रणनीति की आवश्यकता है। सरकार को तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर ऐसे उपकरण विकसित करने चाहिए, जो इन प्लेटफार्मों की पहचान और निगरानी कर सकें। नागरिक समाज को जागरूकता फैलाने और लोगों को इस लत से बचाने के लिए आगे आना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में इसके दुष्परिणामों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। साथ ही, उन प्रभावशाली हस्तियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, जो अपने स्वार्थ के लिए इस आग में घी डाल रहे हैं। यह एक युद्ध है, जिसे जीतने के लिए हर स्तर पर संकल्प और संयम की जरूरत है।

अंत में, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि ऑनलाइन सट्टेबाजी का यह संकट एक राष्ट्रीय आपदा बन चुका है। यह वह आँधी है, जो हमारे समाज की जड़ों को उखाड़ने और अर्थव्यवस्था की नींव को ढहाने की ताकत रखती है। समय रहते यदि हम जागे नहीं, तो यह काला बादल हमें अंधेरे में डुबो देगा। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जवाबदेही है कि हम इस मायाजाल को तोड़ें और अपने देश को इस दलदल से बाहर निकालें। आज का कदम ही तय करेगा कि कल का भारत समृद्ध होगा या इस संकट की भेंट चढ़ेगा। आइए, इस लड़ाई में एकजुट हों, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ स्वतंत्रता और सम्मान के साथ साँस ले सकें, न कि पछतावे और बर्बादी के बोझ तले दबकर।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (मप्र)

मोटापे को निमंत्रण देती बदलती जीवनशैली

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: अस्वास्थ्यकर खाने की आदतें, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, परिष्कृत शर्करा और चिकना फास्ट फूड का बढ़ता सेवन मोटापे की बढ़ती दरों का एक प्रमुख कारक है। भारतीय शहरों में फास्ट-फूड के चलन ने विशेष रूप से शहरी मध्यम वर्ग की आबादी को प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप मोटापे के स्तर में वृद्धि हुई है। प्रोटीन, डेयरी और फलों की उच्च कीमतों के कारण कई कम आय वाले परिवार चावल और गेहूँ जैसे सस्ते, उच्च कार्बोहाइड्रेट वाले आहार की ओर रुख करते हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) मुख्य रूप से मुख्य अनाज की आपूर्ति करती है, जिसमें संतुलित आहार के लिए आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों की कमी होती है। डिजिटल मनोरंजन और लंबे समय तक काम करने के साथ-साथ बैठे-बैठे ऑफिस की नौकरी, शारीरिक गतिविधि के लिए बहुत कम समय देती है, जिससे वज़न बढ़ता है।

भारत में मोटापे में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है, रिपोर्ट में बताया गया है कि 24% पुरुष और 25% महिलाएँ अब अधिक वज़न या मोटापे से ग्रस्त हैं। चिंताजनक रूप से, पिछले एक दशक में 5-9 वर्ष की आयु के बच्चों में मोटापा दोगुना हो गया है। शहरीकरण, आहार में बदलाव, गतिहीन आदतें और पर्यावरणीय प्रभाव जैसे कारक इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहे हैं। इस मुद्दे से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। अधिक वज़न और मोटापे से ग्रस्त महिलाओं का प्रतिशत 20.6% से बढ़कर 24% हो गया, जबकि पुरुषों के लिए यह 18.9% से बढ़कर 22.9% हो गया है। इसके अलावा, 5 साल से कम उम्र के बच्चों में मोटापे की दर 2.1% से बढ़कर 3.4% हो गई है और बड़े बच्चों में यह रुझान और भी खराब है। वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2022 का अनुमान है कि 2030 तक 5-9 वर्ष की आयु के 10.81% बच्चे और 10-19 वर्ष की आयु के 6.23% बच्चे मोटे होंगे। द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथईस्ट एशिया के एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत में लगभग 40% महिलाएँ और 12% पुरुष उदर मोटापे से पीड़ित हैं। आनुवंशिक कारक उदर क्षेत्र में वसा जमा होने की प्रवृत्ति में योगदान करते हैं, जिससे चयापचय सम्बंधी विकारों का ख़तरा बढ़ जाता है। जबकि मोटापा मुख्य रूप से शहरी समस्या है, लेकिन जीवनशैली में बदलाव और आहार सम्बंधी आदतों के कारण यह ग्रामीण आबादी को तेजी से प्रभावित कर रहा है। वर्तमान में, भारत में 60% मौतें गैर-संचारी रोगों के कारण होती हैं, जो मोटापे और निष्क्रिय जीवनशैली के कारण और भी गंभीर हो जाती हैं।

अस्वास्थ्यकर खाने की आदतें, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, परिष्कृत शर्करा और चिकना फास्ट फूड का बढ़ता सेवन मोटापे की बढ़ती दरों का एक प्रमुख कारक है। भारतीय शहरों में फास्ट-फूड के चलन ने विशेष रूप से शहरी मध्यम वर्ग की आबादी को प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप मोटापे के स्तर में वृद्धि हुई है। प्रोटीन, डेयरी और फलों की उच्च कीमतों के कारण कई कम आय वाले परिवार चावल और गेहूँ जैसे सस्ते, उच्च कार्बोहाइड्रेट वाले आहार की ओर रुख करते हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) मुख्य रूप से मुख्य अनाज की आपूर्ति करती है, जिसमें संतुलित आहार के लिए आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों की कमी होती है। डिजिटल मनोरंजन और लंबे समय तक काम करने के साथ-साथ बैठे-बैठे ऑफिस की नौकरी, शारीरिक गतिविधि के लिए बहुत कम समय देती है, जिससे वज़न बढ़ता है। लैंसेट ग्लोबल हेल्थ के एक अध्ययन के अनुसार, 50% भारतीय पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं करते हैं, जो मोटापे की महामारी का एक महत्त्वपूर्ण कारक है। पोषण और व्यायाम के बारे में जागरूकता की कमी के कारण जीवनशैली के ग़लत विकल्प चुने जाते हैं, ख़ास तौर पर निम्न आय वर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों में। कई भारतीय परिवार गलती से अधिक वज़न को अच्छे स्वास्थ्य का संकेत मान लेते हैं, जिससे मोटापे के लिए आवश्यक हस्तक्षेप में देरी होती है। ख़ास तौर पर बच्चों के बीच प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, शर्करा युक्त पेय पदार्थों और फास्ट फूड का आक्रामक विपणन आहार विकल्पों को बहुत प्रभावित करता है। सोशल मीडिया प्रचार और सेलिब्रिटी समर्थन युवाओं में जंक फूड की खपत को और बढ़ावा देते हैं। शहरी क्षेत्रों के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल मनोरंजन और दूर से काम करने के प्रचलन ने समग्र शारीरिक गतिविधि के स्तर को कम कर दिया है। यातायात की भीड़ और प्रदूषण बाहरी व्यायाम को रोकते हैं, जिससे गतिहीन इनडोर गतिविधियों पर अधिक निर्भरता होती है। पार्क, खेल के मैदान और पैदल चलने वालों के अनुकूल क्षेत्रों की कमी से पैदल चलना और साइकिल चलाना जैसी शारीरिक गतिविधियों में शामिल होना मुश्किल हो जाता है। खराब शहरी नियोजन और साइकिल चलाने के बुनियादी ढांचे की कमी सक्रिय आवागमन को जटिल बनाती है, जिससे मोटापे की दर बढ़ती है। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण से सम्बंधित सूजन चयापचय सम्बंधी विकारों के जोखिम को बढ़ाती है, जिससे वज़न बढ़ सकता है। शोध से पता चला है कि भारतीय शहरों में उच्च प्रदूषण स्तर और आंत की चर्बी के संचय और मोटापे में वृद्धि के बीच सम्बंध है। फास्ट-फूड श्रृंखलाओं और प्रसंस्कृत खाद्य बाजारों के अनियंत्रित विस्तार के कारण, विशेष रूप से शहरी केंद्रों में, ताजे उत्पादों की तुलना में अस्वास्थ्यकर विकल्प अधिक सुलभ हो गए हैं।

मोटापे को दूर करना एक तत्काल प्राथमिकता है। हमें स्वस्थ भोजन विकल्पों के लिए सब्सिडी प्रदान करते हुए शर्करा युक्त पेय पदार्थों और अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर उच्च कर लागू करने पर विचार करना चाहिए। उदाहरण के लिए, मेक्सिको के चीनी कर के परिणामस्वरूप शीतल पेय की खपत में 12% की कमी आई, जो मोटापे से निपटने में इसकी प्रभावशीलता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, स्कूलों और कार्यस्थलों में अनिवार्य शारीरिक शिक्षा और पोषण शिक्षा कार्यक्रम शुरू करना आवश्यक है। जापान की 'शोकुइकु' पहल ने संतुलित आहार पर ज़ोर देकर बचपन के मोटापे की दर को सफलतापूर्वक कम किया है। पैदल यात्री-अनुकूल सड़कें, साइकिल पथ और सुरक्षित सार्वजनिक पार्क बनाना दैनिक शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित कर सकता है। नीदरलैंड के शहरी साइकिल चालन दृष्टिकोण ने सक्रिय आवागमन के माध्यम से मोटापे की दर में कमी दिखाई है। पैकेज्ड सामानों पर स्पष्ट खाद्य लेबलिंग भी उपभोक्ताओं को सूचित आहार सम्बंधी निर्णय लेने में मदद करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। उच्च चीनी और उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों पर चिली के फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबल ने बच्चों के बीच जंक फूड की खपत को सफलतापूर्वक कम किया है।

संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और कम चीनी सेवन को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान उपभोक्ता व्यवहार को बदलने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। फिट इंडिया मूवमेंट और ईट राइट इंडिया अभियान जैसी पहलों का उद्देश्य आबादी के बीच स्वस्थ जीवनशैली विकल्पों को बढ़ावा देना है। एक स्वस्थ राष्ट्र वास्तव में एक समृद्ध राष्ट्र होता है। मोटापे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, हमें एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को मज़बूत करे, पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहित करे, शारीरिक शिक्षा को एकीकृत करे और सुनिश्चित करे कि शहरी नियोजन सक्रिय जीवन का समर्थन करे। पोषण अभियान और ईट राइट इंडिया जैसी पहलों को समुदाय-संचालित, प्रौद्योगिकी-सक्षम समाधानों के साथ विस्तारित करने से स्थायी परिवर्तन होगा।

डॉ सत्यवान सौरभ

श्रम, संयम से मनुष्य होने की सार्थकता

संघर्ष और मनोबल के सारथी बने

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: ऋषि मुनियों ने कहा है श्रम से ही जीवन सार्थक होता है श्रम मनोबल संयम और तब जीवन के तत्व गुण हैं और इन्हीं से मनुष्य को मनुष्य होने का गौरव प्राप्त होता है। सफलता रातों रात नहीं मिलती, जो सफलता भाग्य से मिलती है वह जल्द ख़त्म भी हो सकती है| इसलिए निरंतर मेहनत,श्रम करने आदत होनी चाहिए, साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने पे सोहागा होती है, और इससे प्राप्त सफलता स्थाई और चिरंतर होती है, जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ जाया नहीं होती है|

वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाए| भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है| एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता है| असफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है| एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है| तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है|

व्यक्तित्व विकास के साथ मनुष्य अपना जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से गुजार पाता है, ऐसे में लोगों एवं आप के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के मन में आपके प्रति सकारात्मक एवं अच्छे विचार आते हैं| आपका प्रभाव भी लोगों पर आपकी कार्यप्रणाली पर अच्छा होने लगता है| अच्छे व्यक्तित्व का मालिक अपने प्रतिदिन के काम में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा तथा शक्ति प्रदान कर पाता है और धीरे-धीरे वह लोगों से अलग दिखाई देने लगता है, आमजन उससे जुड़ना चाहते है, और आपकी तरह बनने के सपने देखने लगते हैं| वर्तमान समय में शायद ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा जो शानदार व्यक्तित्व का धनी एवं मालिक ना बनना चाहता होगा| यदि आपकी पर्सनैलिटी याने व्यक्तित्व साधारण एवं निम्न स्तर का है, तो आपको अपने व्यक्तित्व को निखारना ही होगा, तब जाकर आप किसी अच्छे पद,व्यवसाय किसी महान लक्ष्य को संचालित कर सकते हैं| ऐसे में आप यदि नकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं तो आपको अपने व्यक्तित्व निर्माण में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है,| नकारात्मक सोच के व्यक्ति को हमेशा कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, और उसे इन्हीं परेशानियों का निदान भी सूझता नहीं है,पर जिनका का सकारात्मक रवैया होता है, उन्हें हर कठिनाई, परेशानी में निदान के उपाय एवं तरीके अपने सूझ बुझ से निकालने का फार्मूला मालूम होता है, ऐसे व्यक्तियों का काम कभी रुकता नहीं और वे निर्बाध गति से आगे बढ़ते जाते हैं|

यह सर्वविदित सत्य है की आपका संव्यवहार आपके व्यक्तित्व का दर्पण होता है| हर कार्य के संचालन संपादन में आपके व्यक्तित्व की परछाई स्पष्ट परिलक्षित होती है, आपका व्यवहार आपके चरित्र तथा स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देता है, और उसका इसका बड़ा व्यापक प्रभाव भी दृष्टिगोचर होता है, व्यक्तित्व विकास न सिर्फ आपकी निजी जिंदगी में प्रभाव डालता है वरन आपकी व्यवसाय और लक्ष्य में भी सकारात्मक एवं प्रभावकारी होता है| जब आप एक अच्छे व्यक्तित्व और सकारात्मक विचार वान व्यक्ति होते हैं तो आप काफी उत्साही एवं आत्मविश्वास से भरपूर भी हो सकते हैं, और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्ति जिंदगी में हर मुश्किल को पार कर एक सफल व्यक्तित्व का धनी हो जाता है| उसे हर जगह सफलता ही सफलता प्राप्त होती है| सफल व्यक्तित्व बनाने के लिए आप अपने व्यवहार को अत्यंत नम्र, शालीन और आत्मविश्वास से भरा ही रखें, किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करें| इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेंगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें, आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगा||

प्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है| यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यों की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता है| ऐसे में काम की सफलता की गुंजाइश कम हो जाती है| और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है,| यदि आप नौकरी में हैं,व्यवसाय में हैं या जन प्रतिनिधि हैं, तो लोगों की बातें सुनने का आप में पर्याप्त संयम भी होना चाहिए, यदि आप किसी व्यक्ति की बातें धैर्य पूर्वक सुनते हैं तो उसे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है एवं कार्य की सफलता में संदेह नहीं रह जाता| अनावश्यक किसी भी व्यक्ति से बिना उसकी बात सुने समझे बहस करने की थोड़ी भी गुंजाइश ना रखें, अन्यथा कार्य विपरीत स्वरूप भी ले सकता है|सामने वाला व्यक्ति यदि सचमुच गलत है तो ही अपनी बात आप रखें या बोले, इसमें महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आप अपनी शक्ति एवं दुर्बलताओं को अच्छे से पहचाने और जाने| आपको जब अपनी शक्ति और क्षमता का पता होगा तो आप उस कार्य को अच्छे से कर पाएंगे एवं इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी, और अपनी कमजोरियों को सफलता के पीछे सुधार करने में सफल भी होंगे| आप प्रयास करें कि हमेशा मुस्कुराहट आपके चेहरे पर हो एवं आपका चेहरा चिड़चिड़ा या परेशान ना दिखाई दे, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का एक बड़ा प्रतीक है|यह सफलता में कठिनाई पैदा करने वाला कारक माना जाता है| मुस्कुराते हुए चेहरे से लोग प्रसन्न होकर उसकी बात सुनना चाहेंगे और यही एक ऐसा तत्व है जो आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देगा और आपकी सफलता में कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी| मुस्कुराते हुए चेहरे के आचरण को लोग ज्यादा पसंद करते हैं अपना मित्र भी बनाना चाहेंगे|

आप जो भी कार्य करते हैं पढ़ते हैं नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं, उसके संबंध में आपके पास गहरी और संपूर्ण जानकारी होना चाहिए| अधूरा ज्ञान बहुत ही खतरनाक और असमंजस निर्माण करने वाला होता है और कार्य की सफलता में संदेह भी पैदा करता है| क्योंकि अधूरी जानकारी आपके काम करने की प्रणाली पर सवालिया निशान लगा देती है| इसमें आप फिर जवाब देने की स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे| अधूरा ज्ञान नकारात्मक होकर आपके आत्मविश्वास को भी डगमगा देता है| आप फिर उस कार्य को करने में डरने लगेंगे| इसलिए किसी कार्य को करने के पूर्व उसके प्रति अच्छी जानकारी सम्यक रूप से होमवर्क की तरह कर ले| और सदैव कार्यों की प्राथमिकता तैयार रखें आसान एवं सरल कार्य पहले संपादित करें, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके फिर काम के लिए आप अपनी तैयारियां पूर्ण कर सकेंगे, आपका आसान काम करने के बाद का आत्मविश्वास आपको कठिन कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करेगा और कठिन कार्य करने में आप आसानी एवं सरलता महसूस करने लगेंगे| किसी भी कार्य को करने से पहले बिल्कुल भी किंचित मात्र भयभीत ना हो क्योंकि डर के कारण कई काम स्वतः बिगड़ जाते हैं|, अतः काम करने से पूर्व निडर होकर कार्य करें क्योंकि गलतियां तो इंसान से ही होती हैं, और जो ज्यादा काम करता है उससे ज्यादा गलती की संभावना होती है| ऐसे में किसी भी तरह के डर या चिंता से मुक्त रहकर अपने कार्य को निष्पादित करें, सफलता आपकी पर्सनालिटी को देखते हुए आपके सामने होगी|

शानदार व्यक्तित्व के विकास में समय का उपयोग और अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है| यदि आप समय का सदुपयोग अच्छे से करते हैं तो आधी सफलता आपके सामने होती है| संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को किस समय करना है, यह आपके समझ में जल्दी आ जाता है तो आपका सफलता का ग्राफ बहुत जल्दी ऊपर की ओर जाने लगेगा, क्योंकि समय की कीमत जो व्यक्ति जानता है समय उसकी इज्जत करता है| और उसे सफलता की सीढ़ियां चढ़ने से कोई रोक नहीं सकता, समय का अनुशासन सबसे बड़ा सबक है, काम को सही समय में करना एक तरह की बड़ी ईमानदारी मानी जाती है| यदि आप समय के प्रति प्रतिबद्ध हैं एवं ईमानदारी से कार्य करने की हिमायती हैं तो आपको सफल व्यक्तित्व की श्रेणी में लाने से कोई रोक नहीं सकता, इसी तरह अप एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में योगदान भी कर सकते हैं, अच्छे व्यकितत्व के निर्माण से ही शक्तिशाली, विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जासकता है, अपने व्यक्तिव्य के निर्माण के साथ शिक्षित संस्कारी देश को सर्वोपरि मान कर राष्ट्रिय हित में सर्वस्व त्यागना होगा, तब जाकर एक महँ राष्ट्र की नीव राखी जासकती है|

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिन्तक, लेखक
रायपुर, छत्तीसगढ़

उचित नहीं है क्रूर शासक औरंगजेब का महिमामंडन!

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: देश की राजनीति में मुगल शासक औरंगज़ेब चर्चा में है और समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के इसके महिमामंडन करने की कोशिश को लेकर विवाद बढ़ गया है. इतिहास में देखें तो सबसे विवादास्पद मुगल शासकों में सबसे बड़ा नाम औरंगजेब का है. औरंगज़ेब ने गैर-मुसलमानों पर जज़िया कर जैसी भेदभावपूर्ण नीतियां लागू कीं. औरंगजेब ने सिखों के गुरु तेग बहादुर का सिर कलम करवा दिया था. उसने गुरु गोविंद सिंह के बेटों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया, वहीं संभाजी महाराज की आंखें फोड़ दीं और नाखून उखाड़ लिए. इसके शासन काल में भारत में शरियत के आधार पर फतवा-ए-आलमगीरी लागू किया और बड़ी संख्या में हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया गया. काशी सोमनाथ मंदिरों को कष्ट करवाया और लाखों हिंदुओं की हत्या करवाई. इसकी क्रूरता के कारण करीब-करीब पूरे भारतीय उपमहादीप में मुगल साम्राज्य अपना सबसे ज्यादा विस्तार कर पाया. औरंगज़ेब की मृत्यु 1707 ईस्वी में हुई थी. कहा जाता है कि मौत से पहले इसको अपने किये पर पछताव था और औरंगज़ेब ने अपने बेटों, आजम शाह और काम बख्श को अपने खेद व्यक्त करने के लिए पत्र लिखे थे. इन पत्रों में उसने अपने पापों और असफलताओं के बारे में जिक्र किया। औरंगजेब ने अपने आखिरी पत्र में लिखा जो लिखा वह उसके पछतावे की कहानी कहता है. औरंगज़ेब ने मरने से पहले अपने बेटों को लिखी एक चिट्ठी में अपने पापों का ज़िक्र किया था. इस चिट्ठी में उन्होंने लिखा था कि उन्होंने लोगों का भला नहीं किया और उनका जीवन निरर्थक बीत गया. उन्होंने यह भी लिखा था कि उन्हें अपने पापों का परिणाम भुगतना होगा.

राम कुमार वर्मा की लिखी किताब 'औरंगजेब की आखिरी रात' में औरंगजेब के खत का मजमून कुछ यूं जिक्र किया गया है. "अब मैं बूढ़ा और दुर्बल हो गया हूं. मैं नहीं जानता मैं कौन हूं और इस संसार में क्यों आया. मैंने लोगों का भला नहीं किया, मेरा जीवन ऐसे ही निरर्थक बीत गया. भविष्य को लेकर मुझे कोई उम्मीद नहीं है, मेरा बुखार अब उतर गया है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि शरीर पर केवल चमड़ी हो. दुनिया में कुछ लेकर नहीं आया था लेकिन अब पापों का भारी बोझ लेकर जा रहा हूं. मैं नहीं जानता कि अल्लाह मुझे क्या सजा देगा, मैंने लोगों को जितने भी दुख दिए हैं, वो हर पाप जो मुझसे हुआ है उसका परिणाम मुझे भुगतना होगा. बुराईयों में डूबा हुआ गुनाहगार हूं मैं."

बता दें कि औरंगजेब के पिता शाहजहां थे. औरंगजेब ने अपने पिता पर भी काफी जुल्म किये थे. औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद करके रखा और उन्हें पानी के लिए तरसाया था. शाहजहां ने अपनी आत्मकथा 'शाहजहांनामा' में औरंगजेब के लिए बहुत कठोर शब्दों का प्रयोग किया था. शाहजहां ने लिखा कि खुदा करे कि ऐसी औलाद किसी के यहां पैदा ना हो. शाहजहां ने औरंगजेब की तुलना हिंदुओं से की, जो अपने माता-पिता की सेवा करते हैं और उनकी मृत्यु के बाद तर्पण करते हैं। उन्होंने लिखा है कि औरंगजेब से अच्छे तो हिंदू हैं, जो अपने माता-पिता की सेवा करते हैं और उनकी मृत्यु के बाद तर्पण करते हैं।

सोशल मीडिया के ज़माने में लोग सुर्खियां बटोरने के लिए क्या-क्या नहीं करते ! कुछ नेताओं ने तो इसके जरिए प्रसिद्धि पाने का बढ़िया फॉर्मूला ढूंढ लिया है... 'कुछ भी उल्टा सीधा बोलें, सोशल मीडिया पर वीडियो क्रूरता, बर्बरता और निर्दयता से शासन किया था, अब यह किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में औरंगज़ेब कई बुराइयों का प्रतीक है। उसने अनगिनत हिंदू मंदिर तोड़े थे, जजिया कर लगाया था, तीर्थस्थलों का अपमान किया था। उसकी क्रूरता के निशान आज भी देखे जा सकते हैं। ऐसे शख्स के शासन काल की दो-चार बातों को आधार मानकर उसे इस तरह पेश करना कि गोया 'वह कोई महान हस्ती था', तो यह अस्वीकार्य है। अगर अर्थव्यवस्था की बेहतरी ही किसी शासक के श्रेष्ठ होने का प्रमाण है तो इस आधार पर हिटलर का भी गुणगान होने लगेगा, चूंकि जब उसने जर्मनी की बागडोर संभाली थी तो उद्योग-धंधों को काफी बढ़ावा मिला था। क्या इससे उसके गुनाहों को नज़र अंदाज़ किया जा सकता है? अबू आजमी यह भी कहते हैं कि औरंगजेब के शासन काल में भारत की।

सीमा अफगानिस्तान और म्यांमार तक पहुंच गई थी। वे यह क्यों भूल जाते हैं कि औरंगज़ेब ने सीमा विस्तार से पहले क्या-क्या कांड किए थे? उसने अपने पिता और भाइयों के साथ कैसा सलूक किया था? दारा शिकोह की जिस तरह हत्या करवाई गई, उसका विवरण पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस पर भी अबू आज़मी अपने फेसबुक पेज पर औरंगजेब का नाम बहुत ही आदर से लिखते हैं, जैसे उसने मानवता की बहुत बड़ी सेवा की थी! औरंगज़ेब के बारे में कुछ कथित इतिहासकारों ने बड़ी भ्रामक बातें फैला रखी हैं। ये विरोधाभासी भी हैं। एक तरफ कहा जाता है कि औरंगजेब टोपी सिलाई कर अपना खर्च चलाता था, दूसरी तरफ कहा जाता है कि वह राजकाज और सीमा विस्तार आदि में बहुत ज्यादा व्यस्त रहता था, उसकी ज़िंदगी का आखिरी हिस्सा सैन्य अभियानों में ही गुजर गया था! ये दोनों बातें एकसाथ कैसे संभव हैं? एक तरफ कहा जाता है कि औरंगज़ेब अपने लिए राजकोष से कुछ नहीं लेता था, दूसरी तरफ कहा जाता है कि उसका बहुत रौब था, पांच दशक तक मजबूती से राज किया! सवाल है-कौन अधिकारी या इतिहासकार ऐसे बादशाह से हिसाब मांग सकता था? क्या उसे अपनी गर्दन सलामत नहीं चाहिए थी? जब प्राकृतिक संपदा और कीमती धातुओं से संपन्न देश पर कब्जा था तो खर्चे की किसे फिक्र थी, रोकने वाला कौन था? औरंगज़ेब के समर्थन में कहा जाता है कि कई हिंदू राजा और उनके सैनिक भी उसके पक्ष में लड़े थे... अगर वह इतना ही बुरा होता तो ये लोग उसके साथ क्यों थे? असल में यह बहुत बचकाना तर्क है। कई हिंदू राजा और उनके सैनिक तो परिस्थितिवश अंग्रेजों के साथ भी रहे थे। क्या इस आधार पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के गुनाह भुलाए जा सकते हैं? जो राजा अंग्रेजों के साथ थे, वे अपना राजपाट बचाने के लिए ऐसा कर रहे थे और जो सैनिक उनके झंडे तले खड़े थे, वे अपने सेनापति का आदेश मान रहे थे। यह न भूलें कि वर्ष 1857 में कई राज परिवार अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति में कूदे थे, कई सैनिकों ने अंग्रेजों पर धावा बोल दिया था। उनका एक ही मकसद था- 'अंग्रेजों के अत्याचारों से मुक्ति'। इसी तरह औरंगज़ेब के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंहजी महाराज जैसे दिव्य पुरुष आए थे। अब आप ही तय कीजिए कि हमारे आदर्श वीर महापुरुष होने के चाहिएं, या औरंगजेब जैसे कोई खूनी क्रूर अत्याचारी बादशाह।

मनोज कुमार अग्रवाल

ट्रम्प वर्ल्ड ऑर्डर: क्या इतिहास की पुनरावृत्ति?

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (दिल्ली): नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले 80 वर्षों से चली या रही अमेरिका की कूटनीति और अर्थनीति को सिर के बल खड़ा कर दिया हैं इससे संपूर्ण विश्व में एक अजीब सी बैचेनी व्याप्त हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने यूरोपीय साथियों को भी त्याग दिया है और एक प्रकार से यह कह दिया है कि वे अपनी रक्षा का दायित्व खुद संभाले। अभी तक अधिकांश पश्चिमी यूरोप NATO के सुरक्षा तंत्र के अंतर्गत आता था जिसका अधिकांश व्यय अमेरिका ही वहन करता था। इसी प्रकार यूक्रेन को भी अपने भाग्य भरोसे छोड़ दिया गया हैं जिसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉ बाइडन ने हर संभव मदद करने का वादा किया था और आर्थिक एवं सैन्य सहायता प्रदान की थी। अब डोनाल्ड ट्रंप सीधे रूस से सामान्य संबंध स्थापित कर रहे है ताकि वे अपना ध्यान अमेरिकी अर्थव्यवस्था को निवेश के माध्यम से मजबूत बनाने में लगा सके। उन्होंने जापान और दक्षिण कोरिया को भी अपनी सुरक्षा का भार स्वयं उठाने को कहा हैं। यह देश अभी तक अमेरिकी सुरक्षा तंत्र के तहत आते थे।

डोनाल्ड ट्रंप चाहते है कि अमेरिका में आयात कम हो और निर्यात ज्यादा हो। उनकी इच्छा ये भी हैं कि विश्व की अधिकांश कम्पनियाँ अमेरिका में ही आकर अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करे। जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके। अपने इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उन्होंने दूसरे देशों पर टेरिफ़ (प्रशुल्क) लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया हैं। इसका अन्य देशों ने भी टेरिफ़ लगाकर जवाब दिया हैं, एक 'टेरिफ़ वार' की शुरुआत हो चुकी है।

इस प्रकार विश्व ड़िग्लोबलाईजेशन की ओर तेजी से बढ़ चुका है। डोनाल्ड ट्रंप कि आर्थिक नीतियों के कारण वैश्विक GDP में मंदी आने के पूर्ण आसार हैं और यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भी जरूर प्रभावित करेगा। डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीति इस रूप में भी अव्यवहारिक हैं कि अमेरिकी श्रमिकों का वेतन अन्य देशों के श्रमिकों की तुलना में अधिक हैं। इस कारण अमेरिका में वस्तुओं का उत्पादन मूल्य ज्यादा होगा और ऊँचे टेरिफ़ (प्रशुल्क) के कारण आयात की जाने वाली वस्तुएं और महंगी हो जाएंगी, जो ऊँची मुद्रा स्फीति को जन्म देकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करेंगी। चीन, वियतनाम तथा मेक्सिको आदि देशों में बनी वस्तुएं एक प्रकार से अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत ही प्रदान करती थी।
अमेरिका ने अपने आपको विश्व मंचों से पृथक करना प्रारंभ कर दिया हैं। वह विश्व स्वास्थ्य संगठन से अलग हो चुका हैं और US AID के माध्यम से चलने वाली परियोजनाएं भी बंद की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ और विश्व व्यापार संगठन से भी पृथक होने कि संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अमेरिका पहले ही पेरिस जलवायु समझौते से अलग हो चुका हैं।

इस प्रकार अमेरिका ने अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट कर अपनी अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को धूमिल ही किया हैं। पनामा नहर और ग्रीनलैंड को जबरदस्ती हथियाने की धमकी ने आग में घी डालने का ही कार्य किया हैं। स्पष्ट हैं कि डोनाल्ड ट्रंप वैश्विक स्तर पर अमेरिका के हस्तक्षेप को कम करके धन की बचत करना चाहते हैं और इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर "MAKE AMERICA GREAT AGAIN" के अपने नारे को साकार करना चाहते हैं। इस प्रक्रिया में वे अपने पुराने विश्वस्त साथी देशों को भी त्यागने को तैयार हैं तथा परंपरागत प्रतिद्वंद्वी रूस के साथ सामान्य संबंध स्थापित करने के लिए भी राजी है। जबकि रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण करके उसके एक बड़े भू भाग पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया हैं। इस प्रकार नियम आधारित विश्व व्यवस्था कि धज्जियाँ उड़ चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के इन सारे कार्यों से अमेरिका कि हार्ड पावर और सॉफ्ट पावर की प्रतिष्ठा जाती रहेगी। अमेरिका एक महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान भी खो सकता हैं। लगभग इसी प्रकार के कार्य 80 के दशक में सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गौरवाचाइफ़ ने पेरस्थ राइका (पुनर्गठन) और ग्लोसनाथ (खुलापन) के तहत किए थे। जिसने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सोवियत संघ कि भूमिका को बहुत सीमित कर दिया था। जिसका परिणाम हमें सोवियत संघ के विखंडन और एक महाशक्ति के समापन के रूप में देखनें को मिला था।

अगर नियम आधारित विश्व व्यवस्था चरमरा जाती हैं तो विश्व कई ब्लॉक में बंट जाएगा जिनका नेतृत्व अमेरिका, रूस और चीन कर रहे होंगे। एक अन्य ब्लॉक यूरोपीय देशों का भी होगा। इससे सम्पूर्ण विश्व में भयंकर असंतुलन की स्थिति निर्मित हो सकती हैं। इस प्रकार क्या इतिहास अपने आप को दोहराने जा रहा है (जैसा कि सोवियत संघ के संबंध में घटित हुआ था) यह एक यक्ष प्रश्न हैं ?
(लेख में व्यक्त विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं और इनका उसके नियोक्ता से कोई भी संबंध नहीं हैं।)

संजय सोंधी
उप सचिव, भूमि एवं भवन विभाग, दिल्ली सरकार

कांग्रेस सरकार के फर्जीवाड़े पर श्वेतपत्र की मांग

विधायक गोपाल शर्मा बोले, प्रदेश में पीएम किसान सम्मान निधि में हुआ करोड़ों का घोटाला

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (जयपुर): राजस्थान में कांग्रेस सरकार के समय पीएम किसान सम्मान निधि में हुए करोड़ों के फर्जीवाड़े का विषय विधानसभा में गूंजा। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने हजारों अपात्र लोगों को किसान सम्मान निधि का भुगतान किया। उन्होंने मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र का उदहारण दिया, जहां 2019 से 2023 के बीच 13,858 अपात्र लोगों को 8.26 करोड़ रुपए दिए जाने का खुलासा हुआ है। शर्मा ने कहा कि अगर एक विधानसभा क्षेत्र की यह हालत है तो पूरे प्रदेश की स्थिति क्या हुई होगी, इसकी जांच होनी चाहिए। यह श्वेतपत्र का विषय है।

विधायक शर्मा ने सहकारिता विभाग से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने प्रदेश के सहकारिता बजट में 76 प्रतिशत की वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद दिया। साथ ही, कृषि भूमि की रजिस्ट्री और इंतकाल के लिए सहकारी समिति से अदेय प्रमाण लेना अनिवार्य किए जाने का स्वागत किया। शर्मा ने कहा कि एक वर्ष के कार्यकाल में लगभग 30 लाख किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए के रियायती ऋण दिए गए। यह पिछली सरकार के पहले वर्ष की तुलना में तीन गुणा से भी ज्यादा है। आज राजस्थान पैक्स की संख्या के मामले देश के टॉप-5 राज्यों में है और महिला कल्याण समितियों की संख्या में दूसरे स्थान पर है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान की 16 प्रतिशत आबादी सहकारिता से जुड़ी हुई है। यहां 2 हजार लोगों पर एक

सहकारी समिति बनी हुई है। भजनलाल सरकार के फैसलों से प्रदेश की 42 हजार समितियों से जुड़े 1 करोड 35 लाख लोगों को विकास के नए अवसर मिल रहे हैं।

सिविल लाइंस विधायक ने कहा कि कांग्रेस के काले दिन समाप्त हो चुके हैं और भाजपा सरकार में सहकारिता विभाग पारदर्शी तरीके से काम कर रहा है। पीएम मोदी के "भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस" की नीति के तहत राज्य सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है। कांग्रेस सरकार के समय से लंबित 792 प्रकरणों में से 519 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। सहकारिता मंत्री गौतम दक ने पहली ही बैठक में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई शुरू की। 11 अधिकारियों के खिलाफ एसीबी में अभियोग चलाने की स्वीकृति दी गई। 10 अधिकारियों और इतने ही कर्मचारियों को निलंबित किया गया। सहकारी संस्थाओं के रिकॉर्ड की फाइलें वर्षों से धूल खा रही थीं। भाजपा सरकार ने एक-एक फाइल की जांच शुरू करवाई और करोड़ों रुपए की बकाया राशि वसूल की गई।

2023 में हुए सहकारी समितियों के चुनावों को लेकर भी शर्मा ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सहकारिता मंत्री ने नियमों की धज्जियाँ उड़ाकर रख दी थीं। कहीं पर्चे खारिज करवाए, तो कहीं पर्चे भरने ही नहीं दिए और कई स्थानों पर पर्चे फाड़कर चुनाव प्रक्रिया ही निरस्त करवा दी। इस विषय में हाईकोर्ट ने भी इनके खिलाफ आदेश जारी किए थे।

विधायक शर्मा ने कहा कि सहकारी समितियों में निश्चित अवधि पर ऑडिट करवाया जाए और रिकॉर्ड सार्वजनिक रखा जाए। जिन समितियों ने कभी ऑडिट नहीं करवाया और न कभी सरकार को रिकॉर्ड उपलब्ध करवाए, उनके पंजीयन निरस्त होने चाहिए। इसी के साथ, शर्मा ने सहकारी खेती को अधिक टिकाऊ कृषि मॉडल के रूप में बढ़ावा देने और सहकारिता में शहरों का प्रतिनिधित्व बढ़ाए जाने का सुझाव भी दिया।

विधायक शर्मा ने कहा कि भारत के लिए सहकारिता एक जीवनशैली है। भगवान राम ने सहकारिता का प्रयोग करके रामसेतु का निर्माण किया और भगवान कृष्ण ने सहकारिता से गोवर्धन पर्वत को धारण किया। शर्मा ने कहा कि आधुनिक सहकारिता के आंदोलन का श्रेय भी राजस्थान को है। राजस्थान में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत 1904 में अजमेर के भिनाय से हुई। उसी वर्ष डीग में पहला सहकारी बैंक डीग में खुला। इसी दौरान केंद्र में भी सहकारिता कानून बनाया गया।

हमारी मांगे नहीं मानी गई तो देंगे सामूहिक इस्तीफा

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (निरसा): दस दिनों के अंदर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो सामूहिक इस्तीफा दे देंगे। उक्त बातें मंगलवार को ज्ञापन सौपने पहुंचे वार्ड सदस्य संघ एग्यारकुंड के अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि जब से चुनाव हुआ है वार्ड सदस्यों को सरकार एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा छला गया है। कोई भी वार्ड सदस्य का हक देना नहीं चाहते, पूर्व में भी हम लोगों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा था।परंतु आज तक उस संबंध में कोई भी निर्णय नहीं हुआ।

इस बार हमारे घर के परिजनों द्वारा मंईया सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन जमा किया गया था। परंतु उन लोगों का भी नाम उक्त योजना से बाहर किया जा रहा है। जिसे हम लोग कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम लोगों को चुने हुए तीन वर्ष बीतने को है मगर सरकार द्वारा सिर्फ 11 महीना का ही वेतन भुगतान किया गया है।

वह भी मात्र 500 रूपये प्रत्येक माह के रूप में, इतने कम वेतन में हमारा परिवार कैसे चलेगा। सरकार को इन सारे बिंदुओं का चिंतन करते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ हम लोगों को देने के लिए अनुमति दे। यह हमारा हक और अधिकार है। इसके अलावा सात सूत्री मांगों में प्रखंड के बीसो पंचायत को प्रतिदिन खोलना, पंचायत में प्रत्येक महीने मासिक बैठक एवं कार्यकारी की बैठक संपन्न होना, योजनाओं की खाता का जांच होना, वर्ष 2022-23 का मानदेय या भत्ता एवं 2023-24, 2024- 25 तक का मानदेय एवं भत्ता दिया जाए, मृत्यु प्रमाण पत्र सत्यापन करना, ग्राम सभा आदि में वार्ड सदस्यों का हस्ताक्षर होना अनिवार्य किया जाए।

प्रखंड द्वारा कराए गए प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र एवं प्रशिक्षण भत्ता निर्गत किया जाए। सभी वार्ड सदस्य प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपने के बाद प्रखंड प्रमुख संगीता महतो से मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

वही शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत के वार्ड संख्या 9 के वार्ड सदस्य शबाना खातून एवं आमकूड़ा पंचायत के वार्ड संख्या आठ के सदस्य प्रभु महतो द्वारा इस्तीफा सौपा गया। वही सोमवार को आमकूड़ा पंचायत पांच के वार्ड सदस्य गौतम बाउरी द्वारा इस्तीफा सौंपा गया था।

ऐश ढुलाई में ओवरलोडिंग ट्रकों से सड़कें हो रही क्षतिग्रस्त- विधायक पवन यादव

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) कहलगाँव-: विधानसभा से भाजपा विधायक पवन कुमार यादव ने बिहार विधानसभा में बिहार सरकार के परिवहन मंत्री शीला कुमारी से तारांकित प्रश्न संख्या 17/14/2138 के माध्यम से सवाल किया है कि क्या कहलगाँव एनटीपीसी इकाई के वाहनों द्वारा ऐश की ढुलाई में विगत कई वर्षों से छाई की ओवरलोडिंग से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं, जिससे सरकार के राजस्व की बर्बादी हो रही है? यदि हाँ, तो सरकार कब तक ऐश पौंड से एनटीपीसी की मिलीभगत से धड़ल्ले से हो रहे ओवरलोडिंग पर रोक लगाने एवं मामले की उच्च स्तरीय जाँच करा कर दोषियों को दंडित करने का विचार रखती है?

वहीं उत्तरदाता के द्वारा कहा गया है कि कहलगांव इकाई से फ्लाई ऐश पौंड की ढुलाई सरकारी सड़क निर्माण हेतु संबंधित विभाग एवं एनटीपीसी प्रबंधन से एकरारनामा के आलोक में किया जाता है। भागलपुर जिला में परिवहन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा ओवरलोडिंग के विरूद्ध प्रायः कार्रवाई की जाती रही है।

विगत तीन वर्षों में जिला के विभिन्न स्थलों पर ओवरलोड चलने वाले सभी प्रकार के वाहनों के जाँच के क्रम में कुल 3785 वाहनों से कुल दस करोड़ छियासठ लाख चौरानवे हजार छः सौ दो रूपये की राशि शमन के रूप में वसूल की गई है, जिससे स्पष्ट है कि परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड वाहनों का घड़ -पकड़ एवं शमन की कार्रवाई कर दंडित किया जाता रहा है।

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष बने मुखिया रमेश टुडू

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के राजगाँव अराजी पंचायत के मुखिया रमेश टुडू को अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश महासचिव सत्येन्द्र साह गोंड ने संगठन में भागलपुर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि रमेश टुडू के द्वारा वर्तमान में कई सामाजिक संगठनों के महत्वपूर्ण पदों का बखूबी निर्वहन किया जा रहा हैं। साथ हीं राजगांव अराजी पंचायत से लगातार दूसरी बार मुखिया पद पर निर्वाचित हुए है।

वहीं पूर्व विधायक रामबिलास पासवान, पूर्व जिला परिषद सदस्य मुरली यादव, फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन जिला अध्यक्ष रंजन यादव, मुखिया संतोषी मुर्मू, पवन यादव, पिन्टू यादव, लक्ष्मण यादव, सुकेश यादव, महादेव मंडल, कुंदन यादव ने इनके मनोनयन का स्वागत किया है।

टी बी एवं तंबाकू के अंतर संबंध पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (शिवगंज): महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में ''टीबी मुक्त अभियान'' के तहत् ब्लाक स्तरीय ''टीबी एवं तम्बाकू के अंतर सम्बन्ध पर भाषण प्रतियोगिता'' का आयोजन प्रधानाचार्य हेमलता चैधरी के नेतृत्व में स्थानीय विद्यालय में सम्पन्न हुआ। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के गुरुदीन वर्मा के अनुसार प्रभारी भंवरलाल हिण्डोनिया ने बताया कि प्रतियोगिता में 3 श्रेष्ठ विद्यार्थी का चयन किया गया जिसमें प्रथम कुमारी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुराना जोगापुरा, द्वितीय धीरज खण्डेलवाल महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शिवगंज, तृतीय रूपेश कुमार महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बडगांव रहे।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्रधानाचार्य गुलाब मीणा, धर्मेन्द्र कुमार गहलोत, छगनलाल, भंवरलाल हिण्डोनिया, कुलदीप सिंह कविराज, सन्दीप कुमार, चमचम कुमारी आदि की भुमिका रही। सर्वश्रेष्ठ चयनित निकिता कुमारी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुराना जोगापुरा ब्लाक स्तर पर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहने के कारण जिला स्तरीय पर प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करेगी।

गलफरबाड़ी ओपी प्रांगण में शांति समिति की विशेष बैठक

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (निरसा): वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देशानुसार रंगों का त्योहार होली एवं माह- ए- रमजान का पाक पर्व को हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर गलफरबाड़ी ओपी के प्रांगण में शांति समिति का विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

वहीं शांति समिति की बैठक गलफरबाडी ओपी प्रभारी दीपक कुमार दास की अध्यक्षता में की गई। साथ में चिरकुंडा सर्किल इंस्पेक्टर फागु होरो उपस्थित थे। वहीं बैठक का संचालन नागेंद्र कुमार के द्वारा किया गया।

वक्ताओं द्वारा क्षेत्र में पानी बिजली और सफाई की लचर व्यवस्था पर भी चर्चा कर दुरुस्त करने की बात कही गई। शराबीयों एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने हेतु विशेष चर्चा की गई। संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल की तैनाती की जाए। बैठक में चौक चौराहे पर पुलिस गश्ती दल बढाने,डीजे बजाने और हुडदंगियों पर नकेल कसने को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई।

वहीं ओपी प्रभारी दीपक कुमार दास ने कहा कि अपनी जगह पर ही रहकर होली मनाए, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने से बचे। रोड पर आगजा ना जालाए, शांति ढंग से होली मनाए।

बैठक में मुख्य रूप से उप प्रमुख विनोद दास, मुखिया अजय राम, काकूली मुखर्जी, शौकत अली, मनु अधिकारी, लखी देवी, रंजीत मोदी, अरविंद कुमार, ठाकुर प्रसाद सिंह, योगेश दत्ता थे।

मुराईडीह में हाइवा और पिकअप वैन में जोरदार टक्कर, तीन घायल

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (धनबाद): कतरास बरोरा के मुराईडीह के समीप कोयला लदा हाइव और पिकअप वैन के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना में हाइव का चालक स्टेयरिंग में फंस गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना उस वक्त हुई जब हाइव, जो फुसरो के कारो से एम.पी.एल. निरसा की ओर जा रहा था, असंतुलित होकर विपरीत दिशा से आ रही पिकअप वैन से टकरा गया। पिकअप वैन निचितपुर से मजदूरों को लेकर गोमो जा रही थी। सभी मजदूर निचितपुर रेलवे हाल्ट से काम खत्म कर लौट रहे थे। टक्कर के बाद हाइव खंभे से भी टकरा गया, जिससे चालक स्टेयरिंग में फंस गया। घटना में गोमो निवासी मजदूर विरेंद्र मुंडा और हाइव का चालक भोला साव गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य को मामूली चोटें आईं। घटनास्थल पर बरोरा थाना पुलिस ने तुरंत पहुंचकर सभी घायलों को अस्पताल भेजा और दोनों वाहनों को जप्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भक्त प्रहलाद की कथा से यह समझना चाहिए कि भक्त का कोई बाल भी बांका नहीं कर पाता है- बाबा उमाकान्त जी महाराज

होली के दिन कर्मों को जलाया जाए, यही सन्त मत की होली होती है

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (उज्जैन): बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि पहले के समय में त्यौहारों पर लोग महात्माओं के आश्रमों पर जाते थे और समझते थे कि त्यौहार का मतलब क्या होता है? त्यौहार में क्या किया जाता है? और फिर जब उनके बताए अनुसार त्यौहार मनाते थे, तो पूरा लाभ मिलता था। होलिका दहन के दिन लोग होली जलाएंगे। भक्त प्रहलाद, हिरण्य कश्यप और होलिका की कथा से यह समझना चाहिए कि भक्त का कोई बाल भी बांका नहीं कर पाता है। और भक्त जब भक्ति करता है, तब कहते हैं भगवान का हाथ उसके पैरों के नीचे हुआ करता है, ताकि वो गिरने, लुढ़कने ना पावे, उसको कुछ लगने ना पावे। तो भगवान उसकी बराबर सम्भाल करता रहता है। तो भक्त कौन थे? प्रहलाद थे। प्रहलाद को कैसी कैसी यातना मिली, लेकिन बचते चले गए, और होलिका जो उसकी बहन थी, बोली हम वरदानी चुनरी ओढ कर के, प्रहलाद को गोदी में लेकर के अग्नि में बैठ जाएंगे और हम तो जलेंगे नहीं, प्रहलाद जल जाएंगे।

अब प्रहलाद तो जले नहीं और वो जल करके खत्म हो गई। तो भक्त की हमेशा विजय होती है। आपको भी भक्ति सीखना चाहिए, भक्ति अपने अंदर लाना चाहिए।

सतयुग के समय सब निष्कर्म थे

सन्त मत की होली ये होती है कि होली के दिन कर्मों को जलाया जाए। कर्म बड़ी ही प्रमुख चीज है, यह हर मनुष्य के साथ लगा हुआ है। पहले जब इस सृष्टि की रचना हुई तब सतयुग था, तो उस समय पर सब निष्कर्म थे, कोई किसी भी प्रकार के कर्मों के चक्कर में नहीं था; ना ही अच्छा कर्म और ना बुरा कर्म, कर्म विहीन थे सब लोग। लेकिन बाद में कर्म बनाया, किसने बनाया? जिनका ये देश है (काल भगवान), जिन्होंने ये मनुष्य शरीर दिया है, जिन्होंने ये सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलयुग बनाया है, उन्होंने ये कर्म बनाया। क्यों बनाया? क्योंकि कहा है "सतयुग योगी सब विज्ञानी, करि हरि ध्यान तरहिं भव प्राणी" तो सतयुग में ध्यान लगाते ही लोग पार हो जाते थे। उस समय मनुष्य की उम्र एक लाख वर्ष की होती थी, और उम्र जब पूरी होती थी तो सब लोग अपने घर, अपने देश, अपने मालिक (प्रभु) के पास, जहां से हम सब की जीवात्माएं आई हैं, वहां पहुंच जाते थे (जन्म- मरण से छुटकारा मिल जाता था)। और वहीं पहुंचने के लिए हम सबको ये मनुष्य शरीर मिला है। सन्त इस धरती पर हमेशा रहते हैं। गोस्वामी जी महाराज ने कहा "कलियुग योग यज्ञ नहीं जाना, एक आधार नाम गुण गाना"। नाम की डोर को पकड लो तो भवसागर से पार हो जाओगे। अब ये नाम मिलेगा कहां? तो गोस्वामी जी महाराज ने ये भी लिखा कि "नाम रहा संतन आधीना, सन्त बिना कोई नाम ना चिन्हा" तो बगैर सन्तों के नाम की पहचान नहीं होती है।

होलिकोत्सव: प्रेम, आत्मीयता एवं समरसता का रंग-पर्व

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: भारत उत्सवों की भूमि है, त्योहारों की पावन धरा है। यह मंगल कार्यों की आधार पीठिका है और पर्वों की पुण्य प्रभा भी।उत्सव जीवंतता के प्रतीक हैं और उल्लास एवं उमंग के संवाहक भी। उत्सव, तीज-त्योहार और पर्वों का सतत आयोजन किसी समाज की सुख-समृद्धि का संकेत हैं और प्रगति एवं विकास का मानक भी। भारत वर्ष में चैत्र नवरात्रि से नव संवत् का आरम्भ होता है और फाल्गुन की पूर्णिमा से चैत्र के पहले पखवारे तक वर्ष के अवसान का समय होता है। वर्ष पर्यंत अनेकानेक उत्सवों का आयोजन और विश्व मंगल की कामना भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था की सुदीर्घ परम्परा का अनिवार्य घटक रहा है। फाल्गुन की पूर्णिमा को होलिका दहन और धुलेंढ़ी को रंग खेलना इस पर्व परम्परा में एक सुखद अनुभूति है। माघ मास की पंचमी से वसंत लोक का द्वार खटखटा सुवासित सौंदर्य की चादर धरती पर बिछा देता है। वसंत प्रेम की, मनुहार की ऋतु है। फागुन में बहती मलय बयार शुष्क मन को भी रससिक्त कर देती है। तभी तो प्रकृति भी उल्लसित हो पुराने पल्लव त्याग नवल रूप धारण कर लेती है। वन-उपवन के नाना वृक्ष पुष्पों और फलों से लद जाते हैं, डालियां विनम्रता से झुक जाती हैं। औषधियां प्राणवान हो उठती हैं। फूलों पर मंडराते भ्रमर दल की गुंजार से लोकजीवन मानो सुमधुर संगीत की धारा में अवगाहन करने लगता है। निर्झर, सरिता एवं सरोवरों का जल निर्मल हो अमियमय हो जाता है। खेतों में फसलें खुशी से नर्तन करती हैं, और उन्हें देख-देख कृषक आह्लादित होते हैं। समाज जीवन में चतुर्दिक नवल सर्जना एवं सहकार के रंग बिखर जाते हैं। कह सकते हैं, रंग पर्व होली सामाजिक समरसता, समता, आत्मीयता और मधुरता का सत्व ग्रहण किए गांव-गांव, नगर-नगर मानो संदेश देती हो कि वाह्य विभेदों से परे होकर हम एकरस, एकरंग और एकात्म हो जायें। यह एक रंग है मानवता का, परस्पर विश्वास और बंधुत्व का और पारस्परिक समझ एवं साझेपन का।

होली सामाजिक प्रेम-सद्भाव, सौहार्द एवं सहकार का अपनी तरह का अनूठा पर्व है जिसमें धनी-निर्धन, जात-पात एवं भाषा-क्षेत्र के तमाम भेद तिरोहित हो जाते हैं। सभी एक साथ मिलकर फाल्गुन की पूर्णिमा को होलिका दहन करते हैं और अगले दिन धुलेंढ़ी को अबीर-गुलाल उड़ा एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, गले मिलते हैं। बुंदेलखंड में होलिका दहन के लिए गाय के गोबर से बल्ले (वृत्ताकार चपटी पट्टी से कटोरे जैसे बनाकर बीच में छेद किया जाता है) बनाये जाते हैं। इनमें एक-एक चंद्रमा और सूरज के बल्ले भी होते हैं। सूखने पर मूंज की सुतली से गूंथ कर सामूहिक होलिका दहन स्थल पर शुभ मुहूर्त के पूर्व सभी अपने बल्लों की माला लेकर एकत्रित होते हैं। एक-एक माला एक-दूसरे से बदल लेते हैं, शेष मालाएं दहन हेतु इकट्ठी की गयी लकड़ी एवं उपलों के ढेर पर समर्पित कर दी जाती हैं। मुहूर्त पर अग्नि प्रज्ज्वलित कर धधकती अग्नि की सभी परिक्रमा करते हैं। नवान्न गेहूं, जौ, चना आदि बांस के अग्रभाग में बांधकर भूनते और प्रसाद ग्रहण करते हैं। बाल्टी या किसी सुरक्षित पात्र में होली की आग घर लाकर घर में सजाई गयी होलिका का दहन करते हैं। घर में माताएं बेसन से परिवार के सभी सदस्यों का उबटन करके होलिका में आरोग्य प्रदान करने की कामना के साथ डाल देती हैं। इस अवसर राई-चोकर मुट्ठी में लेकर सभी के सिर के ऊपर से घुमाकर जलती होलिका में डालते जाते हैं जो चट्ट-चट्ट की आवाज के साथ जलता है। होली अग्नि की आराधना और साधना का पर्व भी है। इस आग को अंगीठी में सुरक्षित कर लेते हैं जो वर्ष पर्यंत चूल्हा जलाने में प्रयोग की जाती है। अंत में मंद आग में एक बड़े लोटा में जल रख देते हैं। सुबह सभी लोग स्नान करते समय लोटे का जल का थोड़ा-थोड़ा प्रयोग करते हैं। सुबह से रंग खेलना आरम्भ हो जाता है। होली के अवसर पर घरों में बेसन-मैदा और खोया से बने पकवान यथा पापड़, मठरी, नमकीन, सेव, खुरमा, खाजा, पूरी, गुझिया, रसगुल्ले आदि बनाये और खिलायें जाते हैं।

होली त्योहार मनाने से सम्बंधित अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कहानियां भी प्रचलित हैं और होली मनाने एवं रंग खेलने के अपने तरीके तथा परम्पराएं भी। किंतु एक कहानी जो सर्वत्र स्वीकृत और लोक जीवन में रची-बसी है, वह दैत्य राजा हिरणयकशिपु और उसके पुत्र प्रह्लाद से जुड़ी है। ग्रंथों में उल्लेख मिलता है, हिरण्यकशिपु और हिरणयाक्ष दो भाई थे जो अत्यंत बलशाली थे। एक बार हिरण्याक्ष पृथ्वी को लेकर अंतरिक्ष-सिंधु में छिप गया जिसे भगवान विष्णु के वराह अवतार ने मारकर पृथ्वी को मुक्त किया। दूसरे भाई हिरण्यकशिपु ने सत्ता शक्ति में मदांध हो स्वयं को ईश्वर के रूप में प्रजा द्वारा पूजा-आराधना करने हेतु विवश कर रखा था। यहां तक कि विष्णु भक्त अपने पुत्र बालक प्रह्लाद को भगवान विष्णु का पूजन बंद कर स्वयं की पूजा करने का सख्त आदेश दिया। किंतु प्रह्लाद द्वारा मना करने से उसे मृत्युदंड दे अपनी बहिन होलिका, जिसे अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था, को प्रह्लाद को गोद में लेकर धधकती अग्नि में बैठकर समाप्त करने की जिम्मेदारी दी। दैव योग से होलिका जल गई और प्रह्लाद बच गये। पुत्र को स्वयं मारने हेतु उद्यत होने पर स्तम्भ से प्रकट होकर भगवान नृसिंह ने प्रह्लाद की प्राण रक्षा की। इस प्रकार अग्नि से प्रह्लाद के सकुशल बचने और होलिका के जल जाने के आनंद में प्रजा ने एक-दूसरे पर रंग डाले और खुशियां मनाई। तब से परम्परा में होलिका दहन करके और रंग-गुलाल उड़ाकर खुशी प्रकट की जाने लगी। वैसे देखा जाये तो प्रतीक अर्थ में होलिका कटुता, कलुषता, विषमता, ईर्ष्या-द्वेष एवं अन्याय का प्रतीक है और प्रह्लाद आनंद, खुशी एवं उल्लास का। जब कटुता-कलुषता आदि बुराईयों का कूड़ा-कचरा और लकड़ियां जलाई जाती है तभी समाज में समता, प्रेम, मधुरता एवं न्याय का वातावरण तैयार होता है। होली के इस प्रेम, आत्मीयता-मधुरता भरे पावन पर्व पर हम परिवार, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए तमाम बुराईयों, कुरीतियों एवं जड रूढ़ियों का दहन कर मानवीय मूल्यों के पोषक, सह-अस्तित्व का भाव सहेजे और सामूहिकता का राग साधे सतत अग्रसर समाज निर्माण का संकल्प लें, यही मंगल कामना करता हूं।

प्रमोद दीक्षित मलय
लेखक शिक्षक एवं स्तम्भकार हैं।
बांदा, उ.प्र.

आसनसोल से दो अनारक्षित होली स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (आसनसोल): होली के त्यौहार के दौरान यात्रियों की संख्या में होने वाली संभावित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने उत्तर बिहार और गोरखपुर की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए आसनसोल से दो अनारक्षित होली स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। इन स्पेशल ट्रेनों का उद्देश्य त्यौहारी भीड़ के बीच यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना है। चूंकि दोनों ट्रेनें अनारक्षित हैं, इसलिए यात्री बिना किसी पूर्व आरक्षण के सामान्य टिकट लेकर ट्रेन में चढ़ सकते हैं।

सुचारू संचालन और यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आसनसोल स्टेशन और अन्य प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक व्यवस्था की गई है। प्रतीक्षारत यात्रियों के लिए टेंट के साथ एक निर्दिष्ट होल्डिंग क्षेत्र स्थापित किया गया है, साथ ही यात्रियों की सहायता के लिए सहायता बूथ भी बनाए गए हैं। यात्रियों के लिए पर्याप्त पेयजल सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, और भीड़ को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए अतिरिक्त रेलवे कर्मचारियों को तैनात किया गया है। व्यवस्था बनाए रखने

और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा कर्मी रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सहित मौजूद रहेंगे।

03513 आसनसोल-गोरखपुर अनारक्षित होली स्पेशल 12 मार्च, 2025 को 18:30 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी और 13 मार्च, 2025 को 10:15 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में, 03514 गोरखपुर-आसनसोल अनारक्षित होली स्पेशल 13 मार्च, 2025 को 13:00 बजे गोरखपुर से प्रस्थान करेगी और 14 मार्च, 2025 को 03:45 बजे आसनसोल पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव दोनों दिशाओं में चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, जमुई, किउल जंक्शन, बड़हिया , बरौनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन, छपरा ग्रामीण, छपरा, सिवान और देवरिया सदर पर होगा।

इसी तरह, 03511 आसनसोल-पटना अनारक्षित होली स्पेशल 13 मार्च, 2025 को 11:30 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 18:45 बजे पटना पहुंचेगी। उक्त ट्रेन वापसी में, 03512 पटना-आसनसोल अनारक्षित होली स्पेशल 13 मार्च, 2025 को 19:45 बजे पटना से रवाना होगी और 14 मार्च, 2025 को 03:45 बजे आसनसोल पहुंचेगी।

इस ट्रेन का ठहराव दोनों दिशाओं में चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, जमुई, किउल जंक्शन, लक्खीसराय जंक्शन, बड़हिया, हाथीदह जंक्शन, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, खुसरूपुर, फतुहा और पटना साहेब स्टेशनों पर होगा।

त्योहार के दौरान अधिकतम यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए दोनों स्पेशल ट्रेन में कुल 18 कोच होंगे, जिनमें 16 सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच और 02 एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

सोच और भावनाएं हैं अंतः गुफित

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: हमारे भीतर सोच और भावनाएं सदा अंतः गुफित है। हम हमारी सोच से कार्य करने की प्रवृति उत्पन्न कर आगे से संकल्प से उसको पूरा करने को भावनाओं से अंतः गुफित होते है। हमारे द्वारा किसी भी कार्य की जन्म स्थली मन की कल्पना होती है। हमारे मन में ना जाने कितनी कल्पनायें बनती है और ख़त्म होती है। वह उन्हीं में से एक़ाद कल्पना मन में स्थिर होती है और फिर उसके ऊपर सही से चिंतन-मंथन चलता है। हम कोई भी नया कार्य में सफलता पाने के लिये उस कल्पना के बारे में दिन-रात चिंतन मंथन करते रहते और जंहा कमियाँ लगे उसे सुधारते रहते है। वह धीरे-धीरे हमारा यह प्रयास एक सही से सकारात्मक रूप लेकर सबके सामने प्रस्तुत होता है। यह सही बात है कि कुछ सोचेंगे तो ही कुछ नया करेंगे वह अगर सोचेंगे ही नहीं तो क्या करेंगे? इसके वैसे तो हज़ारों उदाहरण हैं एक उदाहरण यह है कि एक फ़िल्म का लेखक सबसे पहले एक विषय पर फ़िल्म बनाने का चिंतन करता है। वह फिर उस पर कंहा-कंहा क्या सीन डालने हैं उस पर चिंतन करते-करते फिर एक फ़िल्म की कहानी तैयार होती है। अतः कुछ नया करने की जन्म स्थली सृजनात्मक कल्पनाशीलता है। वह जो व्यक्ति सृजनात्मक रचनात्मक कार्य में लग जाते है उन्हे कभी भी दूसरों की बुराई और दोष आदि देखने का वक्त नहीं मिलता है। वह इसी सन्दर्भ मैं मेरे साथ आज घटित घटना प्रसंग मुझे आज किसी ने कहा कि वो देखना वो करना आदि-आदि तो मैंने कहा मैं मेरे लेखन के कार्य को सुन्दर से सुन्दर उत्कृष्ट कर सम्पन्न करता जाऊँ तो भी मेरे कार्य चलते रहते है और मुझे समय नहीं मिलता है तो वह शांत हुआ। आचार्य तुलसी ने जो सपना संजोया वह आज हम सबके सामने विशाल धर्मसंघ की गरिमा को शत गुणित करनेवाला बना है। हमारे मन में गुंथी हुई सार्थक दिवास्वपन जीवन जीने की भव्यतम कल्पना का साकार रूप बनती है और वही हमारे सृजनशीलता में यथोचित रंग भरते है। वाल्ट डीजनी को अखबार संपादक ने यह कहकर निकाल दिया की उनके पास कल्पना और नए विचार नहीं है। वही आज वह दुनिया का बेस्ट कार्टून क्रियेटर है। अतः मानव की कल्पना समग्र विश्व को भायी है जिसके चिंतन में सही सोच और भावनाएं आदि अंतः गुफित हों ज्योति जगमगायी है।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड

स्वयं को माचिस की तीली बनाने की बजाय, शांत सरोवर बनाएं जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च (गोंदिया): भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति-रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं, जिसका वर्णन वेस्वर्गलोक़ के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य, कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की ज़रूरत नहीं! अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग!मेरा मानना है कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया, जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग!आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा, याने आज की तकनीकी भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग।

साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है। वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है।क्रोध से उत्पन्न हुएअपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंततः बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है।

साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तोअभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा। सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली याने क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है।

साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है। आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है। क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है। इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है,या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। जिन बच्चों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं को क्रोध डायरी में लिखा था, उन्होंने वास्तव में अपनी भावनात्मक समझ में सुधार किया, जिससे बदले में कम आक्रामकता हुई। जब अपनी भावनाओं से निपटने की बात आती है, तो बच्चे ऐसे उदाहरणों के प्रत्यक्ष उदाहरण देखकर सबसे अच्छा सीखने की क्षमता दिखाते हैं, जिनके कारण कुछ निश्चित स्तर पर गुस्सा आया। उनके क्रोधित होने के कारणों को देखकर, वे भविष्य में उन कार्यों से बचने की कोशिश कर सकते हैं या उस भावना के लिए तैयार हो सकते हैं जो वे अनुभव करते हैं यदि वे खुद को कुछ ऐसा करते हुए पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर उन्हें गुस्सा आता है, इसके साथ ही एकांत में जाकर ध्यान के माध्यम से क्रोध के विकारों को नष्ट करने का प्रयास करें तो ऋणात्मक ऊर्जा को मोड़कर हम सकारात्मक ऊर्जा से विवेक सम्मत निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांत, परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र है! स्वयं को माचिस की तीली बनने की बजाए शांति सरोवर बनाएं, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए। क्रोध, उत्तेजित स्वभाव, अपराधिक बोध प्रवृत्ति का मुख्य प्रवेशद्वार है अपराध मुक्त भारत के लिए मनीषियों को क्रोध त्यागना प्राथमिक उपाय है।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

खुशियों की होली

रंग प्रीत की सज गई आज।
है खुशियों की होली।।

उड़े मेघ में तितली जैसी,
सुरम्य दिखे नजारे।
रंग देख मोहित हैं सारे।
करते हँसी ठिठोली।।

पायल मेरी शोर मचाती,
नयना काजल आँजे,
राह ताकती तेरी साजन,
यौवन तुझसे साजे,
हिय तरसे बातें सुनने को,
मधुरस तेरी बोली।।

सतरंगी ये छटा बिखेरी,
चली आज पिचकारी।
दिखे लालिमा इन कपोल पर,
लगती कितनी प्यारी।
प्रीत किया है इक दूजे से,
मिले भांग की गोली।।

व्याकुलता मन में छाई है,
अग्न लगी है काया,
स्वप्न आज साकार करो तुम,
छूट न जाए साया।।
आओ साजन! रंग लगाओ,
भींगे मेरी चोली।।

है खुशियों की होली।
है खुशियों की होली।।

प्रिया देवांगन "प्रियू"
गरियाबंद छत्तीसगढ़
कोलफील्ड मिरर

मैंने सोचा कि-----?

मैंने सोचा कि-----?
कल जो सुबह होगी,
उसमें सब कुछ साफ हो जायेगा,
आज जो स्पष्ट नहीं है,
क्योंकि जवाब मुझको भी चाहिए।

मैंने सोचा कि-----?
देखता हूँ दीपक जलाकर,
और उस दीपक में प्रेम की दीप्ति,
आज जो मेरे प्रेम के अभाव में,
शान्त है कोई आशा लिये।

मैंने सोचा कि-----?
सींचता हूँ इस फूल को,
कल यह आबाद एक बाग होगा,
मेरा भी सपना साकार होगा,
इससे खुशी मुझे भी होगी।

मैंने सोचा कि-----?
कल नया साल है,
बदलाव जरूर होगा,
मगर कुछ नहीं हुआ,
सब कुछ वैसा ही है,
ना कोई बात,
ना कोई शुभकामना,
ना कोई प्यार,
ना कोई आकर्षण,
ना कोई उमंग,
ना अपनापन,
कुछ भी तो नहीं बदला।
मैंने सोचा कि-----?

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

तुम भी संवर जाओ किसी दिन

गलियों में तेरी क़दम रखूंगा न कभी मैं भी
अहद से अपने जो मुकर जाओ किसी दिन।
ये तिशनगी बुझने का नाम कहाँ लेती है।
आँखों से अपनी पिला जाओ किसी दिन।
आँखों के रास्ते दिल में ही छुपा रखा है।
आँखों मे खुद को देख जाओ किसी दिन।
सनम आ जाओ बातें करेंगे दिल की तुमसे।
आरज़ू है दुनिया को भूल जाओ किसी दिन।
ज़िक्र तेरा ही किया करता है ये मेरा दिल।
मासूम है इसकी भी सुन जाओ किसी दिन।
बहुत नाज़ सबको मेहबूब पे अपने अपने।
मेरी जान तुम भी संवर जाओ किसी दिन।
बरिशे मौसम भी आ करके अब जाने को है।
चले जाना आ तो जाओ मुश्ताक़ किसी दिन।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
"सहज़" हरदा, मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

होली--- दोहा छंद

ढोल नँगारा हे बजत, गावत हावँय फाग।
रंगे जम्मों रंग मा, छेंड़त सुग्घर राग।।

माते हें पी के सबो, भाँग नशा मा आज।
छेरी कस नरियात हें, लागत नइहे लाज।।

आये हे होली परब, बाँटव मया दुलार।
खुशी मनावव आज गा, बैर भाव ला टार।।

भर पिचकारी मा सबो, डारत हावँय रंग।
गली-खोर मा देख ले, करत सबो हुड़दंग।।

धरके हाथ गुलाल ला, बोधव सबके गाल।
बने मनावव फाग ला, करहू झन जंजाल।।

रंग मया के घोर लव, खेलव होली संग।
अपन मयारू मीत ला, बने लगावव रंग।।

मुकेश उइके "मयारू"
कोरबा (छ.ग.)
कोलफील्ड मिरर

डगमगाने न दे जो अपने पथ से ऐसे संस्कार चाहिए

किश्ती को जो डूबने से बचा सके ऐसी पतवार चाहिए
जड़ें काट दे बुराई की अच्छाई में ऐसी धार चाहिए
नफरत की तेज़ आंधियों ने उजाड़ डाला यह खिलता चमन
बहती रहे जो प्यार की हृदय में ऐसी बयार चाहिए

करे जो छुप कर पीठ पर न ऐसा वार चाहिए
छक्के छुड़ा दे जो दुश्मन के सुनकर ऐसी ललकार चाहिए
लोग लेते हैं पैसा भाग जाते हैं दूर विदेश आजकल
लेकर लौटा न सके जिसे कोई न ऐसा उधार चाहिए

बढ़ा दे जो बीच में दूरियां न ऐसी तकरार चाहिए
माफ कर दे छोटी मोटी बातों को ऐसा दिलदार चाहिये
बेईमानी की आदत पड़ गई है सबको आज ज़माने को
करे जो काम ऐसा ईमानदारी का कोई तो हकदार चाहिए

शब्द भी करते है घायल न उसके लिए तलवार चाहिए
प्यार के फूल खिले हर तरफ ऐसी बहार चाहिए
नफरत करने वालों से तो भरा है यह सारा जहान
प्यार की कद्र करे जो ऐसा कोई तलबगार चाहिए

ईमानदारी से ही जो फले फूले ऐसा कोई कारोबार चाहिए
पेट भर के खाना मिल जाये बस ऐसा रोजगार चाहिए
सिद्धान्तों की बात यहां कौन करता है इस ज़माने में
डगमगाने न दे जो अपने पथ से ऐसे संस्कार चाहिए

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि प्र
कोलफील्ड मिरर

हृदय

मेरे इस नश्वर हृदय में
बहुत सी दरारें हैं
जो प्रतीक हैं
इस बात की
कि इस हृदय के दिल मे
उनके प्रति कितना सम्मान है
जिन्होंने इसे समय-असमय
तोड़ा है,कुचला है,
मसला है,रौंदा है
दरारों की अनवरत श्रृंखलाएं
प्रदान की हैं
भावनाओं को लंबी कीलें चुभाई हैं
और फिर भी यह हृदय
उन सबकी यादों को
दरार के रूप में,
टूटन के रूप में
खुद में छिपाए,
उनके प्यार को पल-प्रतिपल
महसूस करते हुए
नहीं धड़कनें की बलवती इच्छा को भी
मन में सहेजकर
धड़क रहा है।

अनिल कुमार मिश्र
राँची
कोलफील्ड मिरर

तन्हाई के दिन

प्रणय-प्रेम की कली खिली दिल के कुछ जज्बातें।
तन्हाई में पूछो कैसे गुजरे हैं मुश्किल दिन औ रातें।
रोज सुबह उठते और पढ़ते प्यार मोहब्बत की बातें
चलो इसे उतारे मैदानों में जो थी वो असमानी बातें

गुलाबी कोंपल से अधरों पर मुस्कान लिए वो आई
एक झलक दिखला कर दिल में अपनी पैठ बनाई।
भरा हुआ यौवन है आम्र कुंज में मधुमति है प्यारी
देख देख के खुद पर मोहित खिलती यौवन है सारी।

गुलाबो की पंखुड़ियां से अधरों पर मुस्कान बिखेरी
कोयल सी बागों में गाती गीतों में आती आहट तेरी
अलको के भंवर जाल में उलझाने भंवरों को आई
पलकों में बंद कर सपनों को प्रति पल मन में भाई।

आनंद मगन यौवन में मंडराती कामुक होके बोली
कोंपल पल्लव आम्रमंजरी महकी दिल पट खोली
दिल के उपवन में फूल खिले भाव लिए हुए सोती
प्रणय निवेदन करना उसका और सपनों में खोती।

के एल महोबिया
कोलफील्ड मिरर

हारे का सहारा हैं खाटू के श्री श्याम

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर बाबा श्याम जी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में गिना जाता है। खाटू श्याम जी को भगवान श्रीकृष्ण का कलयुगी अवतार माना जाता है। दानशीलता के कारण बर्बरीक ने बिना किसी सवाल के अपना शीश भगवान श्री कृष्ण को दान दे दिया। इसी दानशीलता के कारण श्री कृष्ण ने कहा कि तुम कलयुग में मेरे नाम से पूजे जाओगे। तुम कलयुग का अवतार कहलाओगे और हारे का सहारा बनोगे। इसलिए उन्हें हारे का सहारा भी कहा जाता है। खाटू श्याम जी के मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन लाखों भक्त आते हैं। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 30 लाख श्रृद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे।कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।

उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।

कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ।

एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैचौहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सजगहै। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को काफीसुविधा हो रही है। सरकार नेयहां के मंदिर परिसर क्षेत्रकेविकासकी घोषणा की है। जिसका लाभ भी श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

रमेश सर्राफ धमोरा

हम कहाँ कम हैं?

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: सुबह फोन खोलते ही चुटकुलों के ढेर बरस रहे हैं। एक तरफ हास्य अभिनेता हंसाने के लिए तरह-तरह के कारनामे करके हार गए हैं वहीं सामान्य जन इससे भी बढ़कर कॉमेडी कर रहे हैं। इन सबके ऊपर राजनीतिक नाटक नेताओं की अभिनय कुशलता से बरसने वाले हंसी के फव्वारे हंसी की बाढ़ में हमें डुबा रहे हैं।

नेताओं के आशीर्वाद के लिए साष्टांग रेंगते बिलबिलाते पुलिस अधिकारी और उनकी टोपी इस बेइज्जती के लिए गिड़गिड़ाती है और अधिकारियों का एकाभिनय तो रोज की परिपाटी है। नेता बार बार पर्दे पर दिखते हुए कोई पूछे तो बताने में असमर्थता व्यक्त करते हुए कभी इधर उधर करते हुए इतनी कॉमेडी करते हैं कि ये सारी बातें फिल्मों में देखने को नहीं मिलेंगी। इससे बड़ा राजनीतिक ड्रामा हो क्या सकता है?

हत्या राजनीति से बढ़ते हुए शासन के दिनों में मर्डर मिस्ट्री स्वयं स्वादहीन हो गई है। जो नहीं हुआ ऐसे मामलों को खींचते हुए और जो हुआ है खून उन मामलों को नए-नए मोड़ देते हुए अनंत रूप से चलाए जाने वाले ही तो असल मर्डर मिस्ट्री है।

फिल्मों से लोगों की दिलचस्पी जाती रही क्योंकि यहां बाहर सड़कों पर, टीवी पर जो रोमांचक घट रहा है उसके सामने सारी फिल्मों की रोमांच फीकी है। सिनेमा जगत के जादुई कारनामों से बढ़कर महानाटक और उसे बड़ी घटनाएं हर दिन सड़क पर ही दिखाई पड़ रही हैं। आधे घंटे के अंदर सभी के सेलफोन पर मजा देते हुए खुश कर रहे हैं। इन सब को छोड़कर ढेर सारे पैसे खर्च कर टिकट लेकर कौन फिल्मों का मनोरंजन चाहेगा?

सिनेमा में सैकड़ों टेक खाते हुए ऊपर नीचे गिर कर दिखाए जाने वाले नाचों से अधिक नानियां, आंटियां और लड़कियां अपने घर में ही करके दिखा रही हैं। इससे बड़ा मजा और कहां होगा?

हम यह मानकर चलें कि सिनेमा के पात्रों की तुलना में हमारे नेताओं की अभिनय क्षमता बेहतर है सक्षम है। खलनायकों से बढ़कर संवाद बोलने वाले आपको विधानसभा में, संसद में, हर आम सभा के मंच पर आसानी से मिल जाएंगे। मूंछें मरोड़ते हुए अपनी जांघें ठोंकते हुए चुनौती देने वाले नेताओं के आगे कितने अभिनेता टिक पाएंगे। सी ग्रेड सिनेमा में बोले जाने वाले द्वि अर्थी संवादों की तुलना में मंच पर भाषण के दौरान गालियां और अश्लील बातें क्या आपको कमज़ोर लगती हैं? नेताओं की जनसेवा में यह भी एक प्रकार का मनोरंजन सेवा है। कुछ भी हो बड़े-बड़े नेताओं के आगे, उनके नाटकों के आगे सिनेमा कहां टिक पाता है?

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

होली के रंग मेरे व्यक्तिगत अनुभव के संग

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: होली का नाम लेते ही सहसा बचपन वाली होली की ही याद आ ही जाती है। माँ, पापा हम सभी भाई बहन खूब मजे लेकर पर्व की तैयारी करते थे। होलिका दहन से ही तैयारी शुरू कर देते थे। सम्मत पर चढ़ाने के लिए माँ कच्चे चने रखती, होरहा, बड़ी कढ़ी, पुआ, पूरी सब बनता और माँ पापा को भेजती थी उसे होलिका में चढ़ाने के लिए।उसके बाद हम सब खाते।होली के लिए होलिका दहन के आधी रात से ही पुआ और दही बड़ा की तैयारी शुरू हो जाती थी। मेरे पापा का उत्साह देखने लायक रहता था। हर छोटी चीज जो भी घटती दौड़ के बाजार से लेकर आते। उनका उत्साह हम लोगों के लिए प्रेरणादाई है। एक बार मैंने पापा से कहा मुझे यह होली बिल्कुल पसंद नहीं आती। दूसरे दिन उसे मिटाने में हालत खराब हो जाती है। पापा ने मुझे कहा की बेटा कोई भी पर्व खराब नहीं होता यह खुशियाँ देकर ही जाती है, और यह इस बात का प्रतीक है कि हमारा सब कुछ बेहतर चल रहा है कोई अशुभ नहीं घटा, हम पर्व मनाने की स्थिति में है। पापा की बात ही सुन रही थी कि हमारे कॉलोनी के लोग लड़के लड़कियां सब रंग खेलने आ गए और मैं खुशी-खुशी रंग खेलने भी गई।अचानक किसी ने मेरे चेहरे पर हरा रंग मुट्ठी भर के लगाया। पहले हरे रंग में अभरख मिला हुआ रहता था। दोस्तों ने मेरे चेहरे पर पूरा हरा रंग लगा दिया। नाक में उसके कुछ अंश चले गए और मेरी साँस उखड़ गई। काफी मशक्कत के बाद ठीक हुई। तकरीबन दस दिन तक जब भी मैं नाक साफ करती या खराश आती तो गले से हरा रंग हल्के मात्रा में निकलता ही था। तब मैं पापा को मन ही मन कोसती, कि बता रहे थे कि हर पर्व अच्छा होता है, मन से मनाना चाहिए कोई पर्व खराब नहीं होता, भोग तो हम ही रहे हैं ना।

कहने का अभिप्राय यही है कि होली हो या कोई भी पर्व वाकई जीवन में खुशियाँ उत्साह लेकर के ही आता है। बस थोड़ी सावधानी की आवश्यकता है। वस्तु खरीदते समय अवश्य ध्यान रखिए कि वह किस तरह की है।आज तो बाजार में हर्बल और ऑर्गेनिक रंग गुलाल आ गए हैं, तो कुछ समस्या की बात ही नहीं है। बस ऐसे ही रंग गुलाल के साथ होली मनाएं सभी और इस बार होली में तन के साथ मन दोनों ही रंगे।

वह रंग ही क्या जो धूल जाए,
वह रंग ही क्या जो धूल जाए,
बीते लम्हों की याद ना दिलाए,
रह जाए ना कोई भी मलाल
अबकी मन भी रंगे गुलाल।

इसी आशा के साथ सभी को आने वाली होली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जी भर के खेले होली बस थोड़ी सावधानी के साथ।

सविता सिंह मीरा
जमशेदपुर

गौरैया क्या वाकई विलुप्ति की और है

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: गौरेया इंसानों के साथ रहने वाला पक्षी वर्तमान में विलुप्ति की कगार पर जा पहुंचा है। ये छोटे-छोटे कीड़ों को खाकर प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में सहायक है। गौरैया के कम होने का कारण विकिरण का प्रभाव तो है ही इसके अलावा उनकी ओर इंसानों का ध्यान कम देना रहा। पाठ्यक्रमों में दादी-नानी की सुनाई जाने वाली कहानियों में और फ़िल्मी गीतों, लोक गीतों, चित्रकारी आदि में गोरैया का जिक्र सदैव होता आया है। घरों में फुदकने वाला नन्हा पक्षी प्रकृति के उतार-चढाव को पूर्व आकलन कर संकेत देता आया है। सुबह होने के पूर्व चहकना, बारिश आने के संकेत-धूल में लौटना, छोटे बच्चे जो बोलने में हकलाते है- उनके मुंह के सामने गोरैया को रखकर हकलाने को दूर करना हालांकि ये टोटका ही माना जायेगा। चित्रकारी में तो सबसे पहले बच्चों को चिड़िया (गोरैया) बनाना सिखाया जाता है। कहने का तात्पर्य ये है की गोरैया इंसानों की सदैव मित्र रही और घर की सदस्य भी। क्यों ना हम गोरैया के लिए व अन्य पक्षियों के लिए, पानी, दाना की व्यवस्था कर पुण्य कमाए। एक बार इसको आजमा के देखों मन को कितना सुकून मिलता है। इन्ही कुछ आसान उपायों से फिर से घरों में फुदक सकती है हम सब की प्यारी गोरैया। कई किसान अपने खेत के कुछ हिस्सों में ज्वार,बाजरा भी लगाते है उनका उद्देश्य गौरैया के प्रति दाना प्रदान करना रहता है। गौरेय्या की सेवा से मन को सुकून मिलता है। दाना पानी और रहवास की सुविधा करने पर फिर से घरों में फुदक सकती है। हम सब की प्यारी गौरेय्या। पक्षियों में अद्भुत शक्ति होती है, भूगर्भीय हलचलों जैसे हादसों से सचेत कर देते है| साथ ही मालिक के प्रति वफ़ादारी भी निभाते है| जरुरी नहीं कि उन्हें कैद करके रखा जाए| पक्षियों के लिए दाना पानी सकोरे में रखे|क्योकि पृथ्वी रहने का जितना अधिकार इंसानों का है उतना अधिकार पक्षियों का भी है।

संजय वर्मा 'दृष्टि'

संजय वर्मा दृष्टि को नारी शक्ति सम्मान 2025

कोलफील्ड मिरर 12 मार्च 2025: श्रीराम साहित्य सेवा संस्थान अयोध्या उत्तरप्रदेश की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था द्वारा 8 मार्च की अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विषय "नारी तू नारायणी" लेखन प्रतियोगिता में उत्तम सृजन करने हेतु मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" को संस्था की संस्थापिका-दिव्यांजली वर्मा द्वारा नारी तू नारायणी सम्मान का प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि संजय वर्मा "दृष्टि" की देश-विदेश की पत्र पत्रिकाओं 50 वर्षो से निरन्तर प्रकाशित होती रहती है। अबतक 641 सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड में तीन बार अलग-अलग विधा में दर्ज एवं स्टार बुक ऑफ़ इंटरनेशनल द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।